दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-154 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 28 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जहां आत्मसम्मान खोने लगे, वहां रिश्ते नहीं, दूरी ही सबसे सही निर्णय होती है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'रिश्तों की भीड़ में खोता आत्मसम्मानः अकेलेपन का साहस क्यों जरूरी है '

एक बार एक यात्री घने जंगल से गुजर रहा था। रास्ते में उसे कुछ लोग मिले, जो उसके साथ चलने लगे। शुरुआत में उसे अच्छा लगा–साथ मिला, बातें हुईं, सफर आसान लगा। लेकिन धीरे-धीरे उसने महसूस किया कि वे लोग उसे गलत दिशा में ले जा रहे हैं। जब उसने विरोध किया, तो उन्होंने उसकी बात को नज़रअंदाज़ कर दिया। अंततः उसने साहस जुटाया और अकेले ही सही रास्ते पर चलने का निर्णय लिया। वह अकेला जरूर था, लेकिन सुरक्षित था और सही दिशा में बढ़ रहा था। यही प्रसंग हमारे जीवन के रिश्तों की सच्चाई को उजागर करता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

जीवन में हम अक्सर रिश्तों को बचाने की जद्दोजहद में खुद को खो देते हैं। हम यह मान लेते हैं कि साथ होना ही खुशी का पर्याय है, चाहे वह साथ कितना ही असहज और अपमानजनक क्यों न हो। हम उन लोगों के साथ जुड़े रहने की कोशिश करते हैं, जो हमारी भावनाओं को नहीं समझते, हमारे अस्तित्व का सम्मान नहीं करते और हमें केवल अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करते हैं। यह एक ऐसी स्थिति है, जहाँ व्यक्ति बाहर से जुड़ा हुआ दिखता है, लेकिन भीतर से टूटता चला जाता है। सच्चाई यह है कि गलत साथ से बेहतर अकेलापन है। यह बात सुनने में भले ही कठोर लगे, लेकिन जीवन का अनुभव यही सिखाता है। जब हम ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो हमारी कद्र नहीं करते, तो हम केवल समय ही नहीं खोते, बल्कि धीरे-धीरे अपनी आत्म-गरिमा भी खोने लगते हैं। हम अपनी पसंद-नापसंद, अपने विचार और अपनी पहचान को दबाने लगते हैं, सिर्फ इसलिए कि रिश्ता बना रहे। यह समझौता धीरे-धीरे आत्मसम्मान को खोखला कर देता है।

आत्म-सम्मान किसी भी व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी होता है। यह वह आधार है, जिस पर व्यक्ति का आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और निर्णय क्षमता टिकी होती है। सम्मान किसी से मांगने की चीज़ नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यवहार, हमारे चरित्र और हमारी दृढ़ता से अर्जित होता है। जब कोई व्यक्ति बार-बार हमारे सम्मान को ठेस पहुंचाता है, तो वह केवल एक रिश्ता नहीं तोड़ रहा होता, बल्कि हमारे अस्तित्व को चुनौती दे रहा होता है। आज के समाज में 'भीड़ का हिस्सा' बनना आसान है। लोग अक्सर इस डर से गलत रिश्तों को ढोते रहते हैं कि कहीं वे अकेले न पड़ जाएं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि अकेलापन हमेशा कमजोरी नहीं होता। कई बार यह आत्म-खोज का अवसर भी होता है। जब हम अकेले होते हैं, तब हम खुद को बेहतर समझ पाते हैं, अपनी प्राथमिकताओं को पहचानते हैं और अपने जीवन के लिए सही दिशा तय कर सकते हैं। इसके विपरीत, एक ऐसा रिश्ता जिसमें हर दिन आपको खुद को थोड़ा-थोड़ा मारना पड़े, वह किसी भी तरह से स्वस्थ नहीं कहा जा सकता। ऐसे रिश्तों में व्यक्ति अपनी खुशी, अपनी इच्छाओं और अपने सपनों का त्याग करता चला जाता है। वह केवल दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करने में लगा रहता है, और अंततः खुद से ही दूर हो जाता है। यह भी सच है कि हर रिश्ता कठिनाइयों से गुजरता है। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जहां संवाद, समझ और सम्मान खत्म हो जाए, वहां रिश्ते का अस्तित्व केवल औपचारिक रह जाता है। ऐसे रिश्तों को ढोना केवल मानसिक बोझ बढ़ाता है। इसलिए यह जरूरी है कि हम समय रहते यह पहचानें कि कौन सा रिश्ता हमें आगे बढ़ा रहा है और कौन सा हमें पीछे खींच रहा है। साहस की असली परीक्षा यही है कि हम अपने लिए सही निर्णय ले सकें, भले ही वह निर्णय हमें अकेलेपन की ओर ले जाए। अकेले खड़े होना आसान नहीं होता, लेकिन यह आत्मसम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक है। जो लोग हमारे मूल्य को नहीं समझते, उनके जीवन में हमारी उपस्थिति का कोई वास्तविक अर्थ नहीं होता। ऐसे में उनसे दूरी बनाना ही बेहतर विकल्प होता है।

अंततः, जीवन का उद्देश्य केवल रिश्तों को बनाए रखना नहीं, बल्कि एक संतुलित और सम्मानजनक जीवन जीना है। यदि कोई रिश्ता हमारी शांति और स्वाभिमान को छीन रहा है, तो उसे छोड़ देना ही समझदारी है। क्योंकि आपकी शांति, आपका आत्मसम्मान और आपकी मानसिक स्थिरता किसी भी रिश्ते से अधिक मूल्यवान है। याद रखिए–अकेले रहना दुखद नहीं है, बल्कि उस रिश्ते में रहना दुखद है, जहाँ आपको हर दिन खुद को खोना पड़े। इसलिए साहसी बनें, अपने आत्मसम्मान को प्राथमिकता दें और उन रास्तों को छोड़ दें, जहाँ आपकी कद्र नहीं है।

झुंझुनूं में ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शनः माफी की मांग की, कलेक्ट्रेट पर अमेरिकी राष्ट्रपति का पुतला जलाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के संदर्भ में की गई टिप्पणी के खिलाफ आज झुंझुनू की सड़कों पर जनता ने प्रदर्शन किया। 'मुस्लिम न्याय मंच' और 'सर्व समाज' के तत्वाधान में बड़ी संख्या में लोग जिला कलेक्ट्रेट पर एकत्रित हुए और ट्रंप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया। दरअसल, यह पूरा विवाद डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत के लिए विवादित शब्द का इस्तेमाल करने के बाद शुरू हुआ। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के खिलाफ इस तरह की अमर्यादित भाषा कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा

कि भारत एक उभरती हुई विश्व शक्ति है और किसी भी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को हमारे देश के सम्मान के साथ खिलवाड़ करने का हक नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।

प्रदर्शन में ये रहे मौजूद

इमरान बडगुजर (अध्यक्ष, मुस्लिम न्याय मंच), सहदेव कसवा, अजीत मेघवाल, एडवोकेट राजेश सबल, एडवोकेट बजरंग लाल, लतीफ खानजादा, इश्तियाक कुरेशी, अकील कुरेशी, यूनुस रंगरेज, मास्टर यूनुस भाटी, राजेंद्र शेखावत, अंकित चौधरी, मकबूल अमीन, वासिद, आसिफ कुरेशी, रामचंद्र कुलहरि, फरमान चोपदार, रामनारायण, अब्दुल सत्तार, अली अंसारी, गुलाम हुसैन सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग मौजूद रहें।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का जयपुर में रोड शो

11 जगह मंच; कलश यात्रा, जेसीबी से पुष्पवर्षा

भीम प्रज्ञा / जयपुर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश कार्यालय तक रोड शो निकाला गया। रोड शो के दौरान जगह-जगह उनके काफिले पर पुष्प वर्षा की गई और 11 जगह मंच लगाकर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष और सीएम ने कार की सनरूफ से बाहर निकलकर लोगों का अभिवादन किया।

झुंझुनूं में मौसम का मिजाज बदलाः तेज आंधी के बाद बूंदाबांदी, लोगों को गर्मी से राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज, झुंझुनूं।

झुंझुनूं शहर में सोमवार शाम को मौसम ने अचानक करवट ले ली। दिनभर की तेज गर्मी और उमस के बाद शाम करीब 6 बजे अचानक तेज हवाएं चलने लगीं, जिसने देखते ही देखते आंधी का रूप ले लिया। तेज धूलभरी हवाओं के चलते पूरे शहर में धूल की चादर बिछ गई और दृश्यता काफी कम हो गई। सड़कों पर चल रहे वाहन चालकों को धूल और कम विजिबिलिटी के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर लोग सुरक्षित स्थानों पर रुकने को मजबूर हो गए। आंधी के करीब आधे घंटे बाद मौसम ने फिर करवट ली और बादलों की गर्जना के साथ शहर के कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई। धूलभरी आंधी के बाद हुई इस फुहार ने वातावरण को शांत किया और लोगों को भीषण गर्मी से आंशिक

राहत मिली।बूंदाबांदी के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई और हवाओं में ठंडक घुल गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। तेज आंधी के बीच सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शहर के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर दी गई। विभाग ने पेड़ों की टहनियां टूटने और बिजली लाइनों में फॉल्ट की आशंका को देखते हुए एहतियातन यह कदम उठाया। अचानक बदले मौसम के कारण जनजीवन कुछ समय के लिए प्रभावित रहा, लेकिन बाद में बूंदाबांदी के चलते लोगों ने राहत की सांस ली।

'एक परिंडा - अनेक जीवन' अभियान से पक्षियों को राहत

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए बांधे गए परिंडे, रखे गए चुग्गा पात्र

डॉ. विनोद कुमार के नेतृत्व में स्टाफ ने दिखाई पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । भीषण गर्मी के इस दौर में पक्षियों के संरक्षण और जीव सेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण मंडावा के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में देखने को मिला, जहां 'एक परिंडा - अनेक जीवन' अभियान के तहत परिसर में परिंडे बांधे गए और चुग्गा पात्र रखे गए। सीएचसी प्रभारी डॉ. विनोद कुमार के नेतृत्व में स्टाफ कार्मिकों ने इस सराहनीय पहल को अंजाम दिया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी एवं पक्षी मित्र अभियान समिति के संजय शर्मा लुमास ने प्रेरित होकर पूरे क्षेत्र में सैकड़ों परिंडे लगाने का संकल्प लिया।वक्ताओं ने कहा कि तपती गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना मानवता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि गर्मी में पक्षियों के लिए पानी रखना हमारी जिम्मेदारी है, जिससे

उनकी जान बचाने के साथ पर्यावरण संतुलन भी बना रहता है। उन्होंने आमजन को सुझाव दिए कि मिट्टी के परिंडे छांव में रखें, पानी रोज बदलें, सुरक्षित ऊंचाई पर रखें और साथ में दाना भी डालें, ताकि छोटे पक्षी भी आसानी से पानी पी सकें। अंत में सभी ने इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और आमजन से पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील की।

नीमकाथाना में चयनित IAS और RAS का सम्मानः सफल अभ्यर्थियों ने दिया युवाओं को प्रेरणा मंत्र, अनुभव साझा किए

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमकाथाना।

नीमकाथाना में भारतीय प्रशासनिक सेवा और राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। वीर तेजा सेवा समिति के तत्वावधान में यह कार्यक्रम नीमकाथाना इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक निजी होटल में संपन्न हुआ। इसमें बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, अभिभावक, युवा और विद्यार्थी उपस्थित रहें। ?समारोह में झड़ाया धाम के संत सीताराम दास जी महाराज सहित कई प्रबुद्धजन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने सभी चयनित प्रतिभाओं को माला, साफा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि IAS और RAS जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयन से क्षेत्र का मान बढ़ा है। उन्होंने युवाओं को इन सफल अभ्यर्थियों से प्रेरणा

लेने तथा लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर कठिन परिश्रम करने का संदेश दिया।

चयनित अभ्यर्थियों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि निरंतर मेहनत, अनुशासन, सकारात्मक सोच और परिवार के सहयोग से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को सही दिशा में मेहनत करने, समय का प्रबंधन करने और असफलताओं से सीखने की सलाह दी। कार्यक्रम में ह्वस 2024 में 92वीं रैंक प्राप्त करने वाले दीपक गोदारा का विशेष सम्मान किया गया। RAS 2024 में चयनित नेहा चौधरी (164वीं रैंक), प्रकाश चंद ओला (180वीं रैंक), सरिता महरिया (419वीं रैंक), सोनू सिंह तंवर (488वीं रैंक), विनोद कुमार जाखड़ (625वीं रैंक), विजय यादव (डिफेंस कैटेगरी 8वीं रैंक) और राजेंद्र कुमार चला (डिफेंस कैटेगरी 32वीं रैंक) को भी सम्मानित किया गया।

आयोजन समिति ने जताया आभार

आयोजन समिति ने सभी अतिथियों, प्रतिभाओं और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक माहौल बनाते हैं और नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

चरखी दादरी में डॉ. अंबेडकर जयंती पर उमड़ा जनसैलाब, विचारों से गूंजा पूरा जिला

'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' के संदेश के साथ सामाजिक चेतना का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज़ चरखी दादरी।

प्रेम सिंह । जिले में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भव्य एवं विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा। डॉ भीमराव अंबेडकर शिक्षा एवं जन कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित इस जिला स्तरीय समारोह की अध्यक्षता समिति के प्रधान विजय लोहरवाड़ा ने की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम डॉ. वीरेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डीआरओ राजकुमार भोरिया ने शिरकत की। मंच संचालन सोमवीर सिंह एवं समिति के प्रमुख सलाहकार प्रेम सिंह ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित जनसमूह द्वारा बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के साथ हुई। मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब केवल एक वर्ग के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के मसीहा थे।

उन्होंने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के मूल मंत्र को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। वहीं विशिष्ट अतिथि राजकुमार भोरिया ने कहा कि संविधान हमारे अधिकारों का सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है और शिक्षा के बिना समाज का समग्र विकास संभव नहीं है।

समिति प्रधान विजय लोहरवाड़ा एवं प्रमुख सलाहकार प्रेम सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें दिखावे और आडंबर से ऊपर उठकर वास्तविक अंबेडकरवाद को अपनाना होगा, जो समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है। प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र सिंह ने भी अपने उद्बोधन में अंधविश्वास से दूर रहने और बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। समारोह के दौरान स्थानीय कलाकारों एवं बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में सुरेंद्र जावा, आजाद सिंह, कमल, जैनपाल, दलबीर सिंह,

रामभगत लांबा, बलवान सिंह, धर्मेंद्र, लाल चंद, ईश्वर सिंह, मंदरूप सिंह, सत्यपाल सिंह, जगमाल सिंह, बालकिशन, जिले सिंह, ओमप्रकाश, अशोक कुमार, कुलदीप सहजलान, रामफल, सुरेश रावलधी, राजेश कुमार सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में समिति प्रधान विजय लोहरवाड़ा ने सभी अतिथियों, जिला प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों एवं विशाल जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पक्षियों के लिए परिंडे लगाओ अभियान शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से एकादशी के पावन अवसर पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का अभियान शुरू किया गया। यह जानकारी देते हुए वाहिनी के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार ने बताया कि सोमवार को सकल गुण निधान बालाजी मंदिर परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर अभियान की शुरुआत की । उन्होंने बताया कि भगवा रक्षा वाहिनी लक्ष्मणगढ़ की टीम के द्वारा लगातार 10 दिन तक परिंडे लगाओ अभियान शुरू किया गया है। अभियान लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत के अध्यक्ष प्रभु दयाल काबरा की प्रेरणा एवं दानदाता के सहयोग से यह कार्य लगातार 10 दिन तक चालू रहेगा जिसमें भगवा रक्षा वाहिनी के संरक्षक के सुरेश जाजोदिया महामंत्री अमित जोशी नवीन काछवाल गो भक्त विकास सैनी हिमांशु सैनी मयंक सैनी विक्रम सैनी आलोक बिजारणीय गौरव सैनी आदि कार्यकर्ताओं के सहयोग से परिंडे लगाने का कार्य किया जायेगा।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 60 यूनिट रक्त का हुआ संग्रहण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

कुमावत कुम्हार मेडिको सामाजिक संस्था जयपुर द्वारा राजस्थान आई हॉस्पिटल एंड रेटीना सेंटर में द्वितीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में करीब 60 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

यह जानकारी देते हुए डॉक्टर राधेश्याम कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील थे जबकि विशिष्ट अतिथियों में ब्रिज रतन गैदर प्रशासनिक अधिकारी शासन सचिवालय जयपुर, रामकुमार प्रजापति मंत्री भारतीय किसान संघ, सांगानेर थे।इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर डॉक्टर सोनाराम, डॉ.राकेश कुमार, नर्सिंग ऑफिसर प्रवीण कुमावत, मीनाक्षी शर्मा, ओमप्रकाश,सीताराम आदी मौजूद रहें।

बोर्ड की परीक्षा के आखिरी दिनों में रिवीजन के लिए अपनाएं ये टिप्स

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं परीक्षा 2022 का शेड्यूल जारी हो गया है और 26 अप्रैल से परीक्षाएं शुरू होंगी। परीक्षा के लिए छात्रों के पास एक महीने से भी कम का समय बचा है और छात्रों ने तैयारी को सम-अप कर लिया है। चाहे कितनी भी तैयारी हो छात्र अक्सर टेंशन में आ जाते हैं और उनकी तैयारी में गड़बड़ हो ही जाती है। इसके लिए आवश्यक है बेहतर रिवीजन टिप्स और स्ट्रेटेजी की। आइए जानते हैं कि छात्र किन टिप्स की मदद से आखिरी समय में छात्र रिवीजन कर सकते हैं जिससे उन्हें बेहतर अंक प्राप्त होंगे।

सभी विषयों को समय दें

रिवीजन करते समय प्रत्येक विषय के लिए समय निकालने का अर्थ है कि आप सभी विषयों पर ध्यान दे रहे हैं। छात्र हर दिन हर विषय के लिए एक चैप्टर या एक दिन में एक विषय के सभी चैप्टर को रिवाइज करके समय को विभाजित कर सकते हैं। हर विषय का एक चैप्टर रोज रिवाइज करना बेहतर हो सकता है क्योंकि यह आपको बोर नहीं होने देगा। आप उन विषयों के साथ भी रिवीजन शुरू कर सकते हैं जिनमें आप पहले से ही अच्छे हैं। यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगा और आपको अन्य विषयों के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद करेगा।

महत्वपूर्ण विषयों को अच्छी तरह से रिवाइज करें

हालांकि आपको पूरे सिलेबस को रिवाइज करना होगा लेकिन महत्वपूर्ण विषयों को बार-बार रिवाइज करना बेहद जरूरी है। महत्वपूर्ण विषयों में वे भाग शामिल हैं जिनमें अंकों का वेटेज ज्यादा है।

पुराने पेपर और सैंपल पेपर की प्रैक्टिस करें

सब कुछ जानना और परीक्षा में न लिख पाना एक आम समस्या है जिसका सामना कई छात्रों को करना पड़ता है। लेकिन इस समस्या से लड़ने के लिए छात्र हर हफ्ते कुछ पुराने प्रश्न पत्र या सैंपल पेपर को हल करना शुरू कर सकते हैं। जब आप परीक्षा के दिन उपस्थित होते हैं तो यह आपको टाइम मैनेजमेंट करने में भी मदद करता है।

पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें

जब परीक्षा नजदीक हो तो छात्र घंटों पढ़ाई करते हैं और ब्रेक लेना भूल जाते हैं। जिसके कारण छात्रों के बीच टेंशन और चिड़चिड़ापन जन्म ले लेता है। पढ़ाई जरूरी है लेकिन बीच-बीच में ब्रेक लेना भी उतना ही जरूरी है। लंच या डिनर करते समय आप कुछ सिटकॉम का एक छोटा एपिसोड देख सकते हैं। कभी-कभी बीच में झपकी लेने से भी आप ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं और अपने दिमाग को तरोताजा कर सकते हैं।

इन टिप्स की मदद से क्लीयर कर पाएंगे एनडीए एग्जाम

भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए यूपीएससी नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा आयोजित करने वाली है। परीक्षा में दो सेक्शन यानी मैथ्स और जनरल एबिलिटी टेस्ट से प्रश्न पूछे जाएंगे। जीएटी में 150 प्रश्न हैं, जिसमें अंग्रेजी के लिए 50 प्रश्न और सामान्य विज्ञान, भूगोल, इतिहास और राजनीति से संबंधित सामान्य ज्ञान के लिए 100 प्रश्न शामिल हैं। परीक्षार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान किया गया है। हर साल लाखों छात्र इस परीक्षा में उपस्थित होते हैं लेकिन चांस उनको मिलता है जिनकी तैयारी बेहतर होती है। आइए इस लेख के माध्यम से जानत हैं कि किन टिप्स की मदद से छात्र इस परीक्षा को क्लियर कर सकते हैं।

11वीं और 12वीं की मैथ्स की बेहतर प्रैक्टिस

एनडीए में हर साल 30 से 40 प्रतिशत प्रश्न एनसीईआरटी सिलेबस पर आधारित होते हैं इसलिए, इसकी बेहतर तैयारी से परीक्षार्थी अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। 11वीं और 12वीं की मैथ्स को अच्छे से पढ़िए और पढ़ने उसके बाद उसका रिवीजन भी करिए। ऐसा करने से आप अपनी कमजोरियों पर काम भी कर पाएंगे।

मॉक टेस्ट और पिछले साल के पेपर से करें तैयारी

पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों और मॉक टेस्ट के माध्यम से तैयारी करने पर परीक्षार्थियों को अच्छे अंक मिल सकते हैं। पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों की मदद से ना सिर्फ तैयारी अच्छी होती है बल्कि परीक्षार्थी को परीक्षाके बारे में जानकेरी भी प्राप्तहोती है। इसके साथ ही मॉक टेस्ट देने से आप परीक्षा हॉल के अनुरूप तैयारी कर सकते हैं। मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र आपको आपकी कमजोरियां आंकने में भी मदद करता है।

मैथ्स और जीएटी के लिए रेफरेंस किताबों का इस्तेमाल करें

जब गएक्टट्ठ से तैयारी हो जाए गए तो रिवीजन के लिए संदर्भ यानी रेफरेंस पुस्तकों का इस्तेमाल करें। इन किताबों की मदद से आप कम समय में बेहतर रिवीजन कर पाएंगे। मैथ्स के शॉर्ट ट्रिक्स में दक्षता हासिल करने के लिएहर दिन कुछ नया पढ़ें।

हाइड्रेटेड रहें

परीक्षा की तैयारी करते समय स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। टेंशन छोड़ दें और स्वास्थ्य का ख्याल रखें। ठीक प्रकार से भोजन करें और खुद को हाइड्रेटेड रखें और तैयारी में ध्यान लगाएं।

टाइम मैनेजमेंट का ध्यान रखें

परीक्षा की तैयारी करना अलग बात है और परीक्षा में सारे प्रश्न अटेम्प्ट करना अलग। कितनी भी तैयारी क्यों ना हो अगर सारे प्रश्न का उत्तर नहीं लिख पाते तो सारी मेहनत बेकार है। ऐसे में जरूरी है कि टाइम मैनेजमेंट का भरपूर ध्यान रखा जाए और टाइम मैनेजमेंट के लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस की जाए।

प्रोफेशन के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं मार्केट रिसर्च

रोज बदलते बाजार का रुख जानना किसी भी व्यवसाय की प्रगति के लिए बेहद आवश्यक है। बाजार के ट्रेंड के इतर कोई विकास नहीं कर सकता। यही कारण है कि खाद्य पदार्थों, सीरियल और जूते की कंपनी से लेकर सरकारी योजनाओं तक में मार्केट रिसर्चर की मांग रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह क्षेत्र निरंतर विस्तार कर रहा है और आने वाले समय में इसमें नौकरियों की भरमार होगी। लोगों की किसी खास उत्पाद या वस्तु, नई योजनाओं आदि को लेकर प्रतिक्रिया, पसंद-नापसंद का अध्ययन मार्केट रिसर्चर का काम होता है। एक मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल सप्लायर की ओर से भी काम कर सकता है और क्लाइंट की ओर से भी।

आप भी मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसा नहीं है कि कोई खास डिग्री हासिल करने के बाद ही आप ये काम करें, बल्कि स्नातक करते हुए भी आप रिसर्च के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अगर जल्दी काम करना शुरू करेंगे, तो पढ़ाई के साथ-साथ आप इस क्षेत्र से जुड़ी आवश्यकताओं को समझ पाएंगे और फिर संबंधित विषयों को पढ़ कर अपनी जॉब पात्रता को अधिक मजबूत बना सकेंगे। उस अनुभव का फायदा आपको प्रोफेशनल जीवन में मिलेगा।

क्यों है यह क्षेत्र खास

पहले इनकी मांग विदेशों में ही अधिक होती थी, लेकिन अब वैश्विक स्तर पर इस तरह के विशेषज्ञों की मांग है। रिसर्च कराने का यह ट्रेंड पिछले 5 सालों में तेजी से बदला है। आज हर तरह के व्यवसाय के लिए मार्केट रिसर्च एक अहम पहलू बन गया है। यह व्यावसायिक रणनीति बनाने के लिए आवश्यक माना जाने लगा है। मार्केट रिसर्च में बाजार और ग्राहकों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। जब मार्केट रिसर्च के परिणाम सामने आते हैं तो उसके आधार पर कंपनियां पैकेजिंग आदि से संबंधित फैसले लेती हैं और कंपनी अपने उत्पादों का प्रचार आदि भी मार्केट रिसर्च के आधार पर ही करना तय करती है। कई बार तो इस बात के लिए भी रिसर्च की जाती है कि ग्राहकों को क्या पसंद है और किन चीजों को वो किन कारणों से पसंद करते हैं। चूंकि आज ग्राहकों की पसंद काफी बदल गई है और बाजार में काफी प्रतियोगिता भी है, इसलिए ग्राहकों की मांग को जानने के लिए हर कंपनी इस तरह के शोध कराती है। नियमित तौर पर बदलते बाजार ट्रेंड को इनके जरिए जाना जा सकता है। सिर्फ कॉरपोरेट जगत में ही नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं को लागू करने से पहले आंकड़े जुटाए जाते हैं। राजनीतिज्ञ भी चुनाव से पहले रिसर्चर्स की मदद लेते हैं और किसी योजना को लागू करने के बाद उसके परिणामों को जानने तक में रिसर्चर ही अंतिम काम करते हैं।

कैसे की जाती है मार्केट रिसर्च

कस्टमर एनालिसिस, रिस्क एनालिसिस, उत्पाद रिसर्च, विज्ञापन रिसर्च आदि की मदद से मार्केट की रिसर्च की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी से विकास करते उद्यमों में से एक है और भविष्य में इस क्षेत्र में कई गुना नौकरियों की संभावना का विस्तार होगा। सबसे पहले पिछली बिक्री के डाटा लिए जाते हैं और उनका अध्ययन किया जाता है। प्रतियोगियों के बारे में जानकारी, विभिन्न उत्पादों के दाम और उनके मार्केटिंग के तरीकों, वितरण के तरीकों का अध्ययन किया जाता है। फिर ग्राहकों से बात की जाती है। इसके लिए उनसे क्वेश्चनेयर भरवाए जाते हैं, उन्हें फोन किए जाते हैं, इंटरनेट सर्वे और पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं। फिर सारी जानकारियां जुटा कर उत्पाद के दाम, बिक्री, मार्केटिंग, वितरण आदि का विश्लेषण होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मार्केट रिसर्चर जिन विधियों को चाहे, उनका प्रयोग कर डाटा एकत्रित कर सकता है। ज्यादातर इसके लिए टेलीफोन, मेल या इंटरनेट सर्वे भी किए जाते हैं। इनके अलावा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पब्लिक प्लेस में बूथ आदि लगा कर भी सर्वे होते हैं।

कितनी तरह की रिसर्च

हर तरह की कंपनियां यह रिसर्च कराती हैं। इसके अलावा सरकारी एजेंसियां, राजनीतिज्ञ, सेवा प्रदाता कंपनियां भी रिसर्च कराती हैं। इसका क्षेत्र काफी बृहद है। इस तरह के रिसर्च का परिणाम सर्वे डिजाइनर्स तैयार करते हैं।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए पहली योग्यता है किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री। किसी भी विषय में 12वीं करने के बाद आप बीबीए कर सकते हैं। इसके आगे एमबीए की पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के विकल्प भी मौजूद हैं। और मास्टर्स स्तर पर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कराया जाता है।

नौकरी के अवसर

मार्केट रिसर्च में नौकरी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा अंग्रेजी पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। मार्केटिंग, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, सोशोलॉजी में पढ़ाई काफी मददगार साबित होती है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। स्नातक के बाद आपको ट्रेनी की नौकरी मिल जाती है। इन्हें कोडर्स भी कहा जाता है। इसके बाद इंटरव्यूअर्स या रिसर्च असिस्टेंट की पोस्ट मिलती है। इसके बाद सीनियर पोस्ट आती हैं।

कितना कमा सकते हैं

मार्केट रिसर्च में शुरुआती दौर में आप 15,000 रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। इसके बाद पद के हिसाब से 5 से 15 लाख तक का सालाना पैकेज बढ़ता जाता है।

ये स्किल्स हैं आवश्यक

- कम्युनिकेशन स्किल्स
- रचनात्मकता
- सेल्समेनशिप
- डाटा एकत्रित करना
- टीमवर्क
- विश्लेषण क्षमता
- लगन

ये होते हैं पद

इस क्षेत्र में कदम रखने के बाद आप फील्ड वर्क से शुरुआत कर सकते हैं, इसके बाद वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च के पद तक पहुंच सकते हैं।

बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है वीडियो एडिटिंग करियर

आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मनोरंजन जगत का विस्तार तेजी से हो रहा है। ऐसे में वीडियो एडिटिंग करियर के एक बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है।

जॉब प्रोफाइल

अलग-अलग कई वीडियो को एक वीडियो बनाना, खराब दृश्यों में सुधार करना, साउंडट्रैक जोड़ना जैसे कार्य एक वीडियो एडिटर के जिम्मे होते हैं। एक वीडियो एडिटर का मुख्य काम किसी भी मोशन पिक्चर, केबल या ब्रॉडकास्ट विजुअल मीडिया इंडस्ट्री के लिए साउंडट्रैक, फिल्म और वीडियो का संपादन करना होता है। वीडियो एडिटर का कौशल ही फाइनल प्रोडक्ट की गुणवत्ता और डिलीवरी तय करता है। इसकी खास बात यह है कि बिना किसी औपचारिक शिक्षा के भी युवा इसे करियर विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। डिजिटल वीडियो एडिटिंग में करियर बनाने के लिए एक व्यक्ति के पास इसके लिए जरूरी कंप्यूटर सिस्टम और प्रोग्राम्स की ट्रेनिंग प्राप्त होना जरूरी है।

क्या करता है वीडियो एडिटर

किसी भी फिल्म के निर्माण के दौरान रॉ फुटेज शूट के संपादन का काम एक वीडियो एडिटर के जिम्मे होता है। आधुनिक वीडियो डिजिटल कैमरे के बढ़ते इस्तेमाल से पहले फिल्म फुटेज को असली स्ट्रिप्स (पट्टियों) पर शूट किया जाता था। उस वक्त वीडियो एडिटर्स को हाथ से उन्हें काटना पड़ता था और कई दृश्यों को एक साथ जोड़ना पड़ता था। एक वीडियो एडिटर को आमतौर पर निर्देशक या निर्माता के साथ बैठकर घंटों तक शूट किए गए रॉ फुटेज को देखना होता है। फिर उनके साथ मिलकर यह निर्धारित करना होता है कि कौन-सा दृश्य रखना है और कौन सा हटाना है।

रोजगार के अवसर

- फिल्म, टीवी और म्यूजिक प्रोडक्शन
- फिल्म और टीवी की मार्केटिंग और डिस्ट्रिब्यूशन
- फिल्म प्रोडक्शन, डिस्ट्रिब्यूशन या थियेटर संबंधी पर्सनल या फैमिली बिजनेस।
- पोस्ट प्रोडक्शन स्टूडियो
- कॉर्पोरेट एप्लायर (कॉर्पोरेट ट्रेनिंग वीडियो)
- विज्ञापन

कोर्स का विवरण

वर्तमान में वीडियो या फिल्म एडिटिंग का कोर्स भारत के लगभग सभी प्रतिष्ठित फिल्म संस्थानों में उपलब्ध है। ये कोर्सेज सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा स्तर पर कराए जाते हैं। इन कोर्सेज का लक्ष्य फिल्म एडिटिंग के सभी पहलुओं जैसे नॉन-लीनियर एडिटिंग, प्रोफेशनल एडिटिंग, कैमरा बेसिक्स, ग्राफिक्स और स्पेशल इफेक्ट टेक्नीक्स इत्यादि की शिक्षा छात्रों को मुहैया कराना है।

फिल्म या वीडियो एडिटिंग के अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों का 12वीं पास होना जरूरी है और पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिए संबंधित स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना अनिवार्य शर्त है। वीडियो एडिटर के असिस्टेंट के तौर पर काम शुरू करने के लिए बैचलर डिग्री काफी है।

वेतन

शुरुआती तौर पर अभ्यर्थी 7,000 से 10,000 रुपये तक कमा सकते हैं। दो से तीन साल का अनुभव प्राप्त करने के बाद वेतन 15,000 से 25,000 रुपये तक बढ़ सकता है। बेहद अनुभवी वीडियो एडिटर छह अंकों वाली उम्दा सैलरी की भी उम्मीद कर सकते हैं।

रोजगार की संभावनाएं

भारत में हर साल 1000 से ज्यादा फिल्में बनाई जाती हैं, जो भारत को सबसे ज्यादा फिल्म बनाने वाले देशों में से एक बनाती हैं। फिल्म निर्माण के लिए एडिटिंग मौलिक जरूरत है, इसलिए कुशल वीडियो संपादकों की मांग आने वाले दशकों में घटने वाली नहीं है। वीडियो एडिटर के तौर पर एक व्यक्ति फीचर या नॉन फीचर फिल्मों, डॉक्युमेंट्री, विज्ञापनों और टीवी कार्यक्रमों में रोजगार तलाश कर सकता है। मोशन पिक्चर इंडस्ट्री में असिस्टेंट एडिटर से एडिटर के पद तक प्रमोशन पा सकते हैं। इसके अलावा किसी फिल्म स्कूल, टेक्निकल स्कूल या यूनिवर्सिटी में पढ़ाने का काम भी कर सकते हैं।

डॉ. दौलत राम माल्या निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

करीब डेढ़ दशक से अधिक अधिक वर्षो से लगातार मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था के पंजीकृत सदस्यों की जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन समर्पण आश्रय केयर भवन साँभरिया रोड सिन्दौली जयपुर में आयोजित हुई। सेवानिवृत्त आईआरएस डॉ. डी. आर. रेवाला की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में संस्था के मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त कर्नल एस एस शेखावत चुनाव अधिकारी थे।मीटिंग की शुरुआत समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे कवि राम लाल रोशन ने प्रस्तुत किया। चुनाव अधिकारी सेवानिवृत्त कर्नल एस एस शेखावत ने तीन वर्षीय कार्यकारिणी पुनर्गठन के लिए सदस्यों से संस्था संविधान के अनुसार किसी एक व्यक्ति का अध्यक्ष पद हेतु नाम प्रस्ताव का आग्रह

किया।संस्था के संरक्षक सदस्य रमेश कुमार बैरवा ने डॉ. दौलत राम माल्या के नेतृत्व में किये गये सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए पुनः डॉ. माल्या के नाम का प्रस्ताव रखा और सदस्य रामावतार नागरवाल ने समर्थन किया। शेखावत ने उपस्थित सदस्यों से अपनी राय व विरोध के बारे में पूछा और सभी उपस्थित सदस्यों ने निर्विरोध डॉ. दौलत राम माल्या को अध्यक्ष निर्वाचित करने का समर्थन किया ।चुनाव अधिकारी श्री शेखावत व सदस्यों ने सर्व सम्मति से पुनः 3 वर्ष के लिए डॉ. माल्या को अध्यक्ष निर्वाचित कर प्रबन्ध कार्यकारिणी गठित करने की ज़िम्मेदारी दी ।डॉ. माल्या ने संस्था सदस्यों का धन्यवाद व आभार व्यक्त करते हुए समर्पित भाव से सेवा करने का प्रण लिया। इस अवसर पर संस्था के एज्युकेशनल एम्बेसेडर अभियान , जरूरतमंद विद्यार्थियों के आवेदन और समर्पण आश्रय केयर भवन के पोस्टरों का विमोचन भी किया गया। संचालन योगाचार्य योगी मनीष विजयवर्गीय ने किया।

मांगूसिंह भाटी हत्याकांड में गिरफ्तारी व परिवार को सहारा देने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'जुल्म की रात चाहे जितनी गहरी हो, सवेरा इंसाफ का ही होता है '–इसी विश्वास और भीतर सुलगते आक्रोश के साथ सोमवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष भोलासिंह राजपूत नौरंगपुरा के नेतृत्व में समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम मंडावर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए मांगूसिंह भाटी हत्याकांड में त्वरित व कठोर कार्रवाई की मांग उठाई। ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया कि ग्राम खौंचपुरी, तहसील महवा निवासी मांगूसिंह भाटी, जो अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए एक छोटी दुकान चलाकर जीवन की गाड़ी खींच रहा था, उसकी बेरहमी से की गई नृशंस हत्या ने पूरे इलाके की आत्मा को झकझोर दिया है और यह घटना कानून-

व्यवस्था पर सीधा सवाल खड़ा करती है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि 'जिस हाथ से घर का चूल्हा जलता था, उसी हाथ को साजिशन खामोश कर दिया गया '–ऐसी दरिंदगी केवल एक व्यक्ति का अंत नहीं बल्कि समाज की संवेदनाओं पर करारा प्रहार है। समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को दो टूक संदेश देते हुए कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी न्याय की आत्मा को आहत कर रही है और पीड़ित परिवार के जख्मों को और गहरा कर रही है, इसलिए दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन के माध्यम से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई, ताकि इस असहनीय दुख की घड़ी में उन्हें सहारा मिल सके। उपखंड कार्यालय परिसर में ज्ञापन सौंपते समय माहौल में पीड़ा और आक्रोश साफ झलक रहा था, जहां लोगों की आंखों में आंसू और आवाज में न्याय की पुकार थी। 'जख्म जब बोलते हैं तो आवाज दूर तक जाती है '–इसी चेतावनी के साथ समाज ने स्पष्ट किया कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो जनआक्रोश और तीव्र होगा। इस दौरान औंकारसिंह, महावीरसिंह, गोपालसिंह, सुरेन्द्रसिंह, तेजसिंह, चंद्रभानसिंह सहित बड़ी संख्या में राजपूत समाज के लोग मौजूद रहें।

जिला अस्पताल में 'हीट वेव' पर विधायक का वार

मरीजों के बीच पहुंचे राजेंद्र मीणा, बोले- लापरवाही पर होगी सीधी कार्रवाई।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र में सूरज के तीखे तेवरों और आसमान से बरसती आग के बीच राजकीय जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को परखने के लिए महवा विधायक राजेंद्र मीणा सोमवार को अचानक एक्शन मोड में नजर आए। विधायक ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का बारीकी से जायजा लिया और स्पष्ट लहजे में चेतावनी दी कि भीषण गर्मी के इस दौर में मरीजों के उपचार में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।विधायक राजेंद्र मीणा ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का सघन दौरा किया और वहां भर्ती मरीजों के पास पहुंचकर

उनका कुशलक्षेम पूछा। निरीक्षण के दौरान विधायक ने लू (हीट वेव) के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए अस्पताल प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी रामसिंह मीणा को दो टूक कहा कि अस्पताल में दवाओं की कोई कमी न रहे और मरीजों के लिए शुद्ध पेयजल के साथ-साथ कूलिंग के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। विधायक ने चिकित्सा स्टाफ की उपस्थिति को लेकर भी कड़े निर्देश दिए और कहा कि ड्यूटी के दौरान किसी भी कर्मचारी की अनुपस्थिति पर सख्त कदम उठाए जाएंगे। विधायक के इस औचक निरीक्षण से अस्पताल परिसर में हड़कंप सा मच गया, वहीं दूसरी ओर वार्डों में उपचाराधीन मरीजों और उनके परिजनों ने इस पहल को बेहद राहतकारी बताया। ग्रामीणों का कहना था कि विधायक द्वारा सीधे फीडबैक लेने से व्यवस्थाओं में पारदर्शिता आएगी और हीट स्ट्रोक जैसी आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को तत्काल इलाज मिल सकेगा। विधायक ने जोर देकर कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचना ही उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए वे स्वयं समय-समय पर मॉनिटरिंग करते रहेंगे। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल की सफाई व्यवस्था और वार्डों के वातावरण को और अधिक सुधारने के लिए भी अधिकारियों को पाबंद किया।

अनोखी पहल: बेटी की घोड़ी पर निकली बिंदोरी, दिया समानता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए मुकुंदगढ़ में बेटी की घोड़ी पर बिंदोरी निकाली गई। इस अनोखे आयोजन के माध्यम से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और बेटा-बेटी में भेदभाव खत्म करने का सशक्त संदेश दिया गया। कांग्रेस कमेटी एससी विभाग के जिला मीडिया प्रभारी अजय वर्मा नुआ ने बताया कि देर रात आयोजित इस बिंदोरी में सुरेश बेरवाल की पुत्री अंबिका को घोड़ी पर सवार कर पूरे मोहल्ले में गाजे-बाजे और डीजे के साथ घुमाया गया। परिजनों ने पारंपरिक सोच को तोड़ते हुए बेटी को भी वही सम्मान दिया, जो आमतौर पर बेटों को मिलता है। 26 अप्रैल को अंबिका का विवाह होना है। इस अवसर पर परिवार ने समाज में समानता का संदेश देने के लिए यह पहल की, जिसे स्थानीय लोगों ने भी खूब सराहा। जगह-जगह बिंदोरी का स्वागत किया गया, जहां समाज के बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं

ने अंबिका को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर एडवोकेट राजेंद्र बेरवाल, भागीरथ, मुकेश, प्रशांत आलडिया, संदीप, विकास, अरविंद, सतपाल सहित कई लोगों ने परिवार को शुभकामनाएं दीं। यह पहल समाज में बेटा-बेटी के बीच समानता स्थापित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है।

उदयपुरवाटी के भैरूघाट मंदिर की जमीन पर कब्जे का विवाद, प्रशासन की कार्रवाई पर उठे सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी क्षेत्र में भैरूघाट स्थित मंदिर की भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मंदिर पक्ष ने जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया है, वहीं प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई सरकारी भूमि पर की गई है।उदयपुरवाटी के भैरूघाट, जयपुर रोड स्थित मंदिर की भूमि से रविवार को गौशाला का बोर्ड हटाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मंदिर पक्ष ने तहसीलदार पर आरोप लगाया कि उन्होंने मंदिर की जमीन से जबरन बोर्ड हटवाया।इस मामले में जब तहसीलदार से बात की गई तो उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई जिला कलेक्टर के आदेश पर की गई है। उनके अनुसार संबंधित भूमि सरकारी है, न कि मंदिर की।वहीं

मंदिर के पुजारी योगी सोमनाथ का दावा है कि यह भूमि प्राचीन समय से उनके संप्रदाय की है और मंदिर के नाम दर्ज है। उनका कहना है कि जमीन पर चारदीवारी बनी हुई है और वर्तमान में वहां गेहूं की फसल भी उगाई गई है।पुजारी ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जबरदस्ती जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वे कई बार मुख्यमंत्री, जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और मंत्रियों को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।पुजारी का यह भी कहना है कि लंबे समय से भूमि की नपती (माप) करवाने की मांग की जा रही है, लेकिन प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन पर कब्जा कर उसे आवासीय कॉलोनी के रूप में विकसित कर बेचा जा रहा है।मंदिर पक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संत-महात्मा प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

लक्ष्मणगढ़ में गौ सम्मान आह्वान अभियान: 8 हजार हस्ताक्षरों के साथ सौंपा ज्ञापन, गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत लक्ष्मणगढ़ में संतों के सानिध्य में गौभक्तों ने गौमाता की सुरक्षा और सम्मान को लेकर आवाज बुलंद की। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध सहित विभिन्न मांगें रखी गईं। गौभक्तों ने ज्ञापन में संपूर्ण भारत में गौवंश की विधिवत सेवा, पूर्ण सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय स्तर पर सख्त कानून बनाने, गोपालन मंत्रालय की स्थापना तथा गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा देने की मांग की। अभियान के तहसील प्रभारी रतन सिंह बगड़ी ने बताया कि ज्ञापन के साथ 8 हजार गौभक्तों के हस्ताक्षरों की सूची भी संलग्न की गई है, जो इस जनसमर्थन को दर्शाती है। इससे पूर्व संतों के सानिध्य में श्री विजय रघुनाथ बिदावत के मंदिर में श्रद्धालु एकत्रित हुए, जहां से रैली का शुभारंभ हुआ। रैली गणेश जी मंदिर, चौपड़ बाजार, मुरली मनोहर जी मंदिर, परशुराम सर्किल और शीतला माता मंदिर होते हुए सत्संग व कीर्तन के साथ उपखंड कार्यालय पहुंची।रैली के दौरान श्रद्धालु

भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े और पूरे क्षेत्र में गौभक्ति का माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम में ओमनाथ महाराज बऊ धाम, शिवराज जती महाराज भोजासर बड़ा, कमलनाथ महाराज रोरु बड़ी, गोविंदशरणदास महाराज रोरू छोटी, प्रवीणनाथ महाराज डुडवा, महंत दिलीपदास महाराज लक्ष्मणगढ़, सुंदरनाथ महाराज बाला का बास, आनंदनाथ महाराज रहनावा, दिवाकरनाथ महाराज रोरू बड़ी और हित श्रवणदास महाराज पाटोदा सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के श्रद्धालु उपस्थित रहें।

नगरपालिका मंडावर में समीक्षा बैठक के दौरान विधायक राजेंद्र मीणा के तीखे तेवर

जनता की पीड़ा पर कुंभकर्णी नींद सोए अफसर जागे,वरना नपेंगे-विधायक राजेन्द्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं को लेकर सोमवार को नगर पालिका कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा अचानक समीक्षा बैठक लेने पहुंचे। बैठक में विधायक के तेवर इतने तल्ख थे कि अधिकारियों के पसीने छूट गए। कस्बे की बदहाल सफाई व्यवस्था, नालियों के जाम होने से सड़कों पर बहते गंदे पानी और कछुआ चाल से चल रहे विकास कार्यों को लेकर विधायक ने दो टूक शब्दों में कह दिया कि अगर जनता को असुविधा हुई तो लापरवाह अधिकारियों को घर बैठने के लिए तैयार रहना होगा। विधायक मीणा ने बैठक की शुरुआत में ही शहर की चरमराती सफाई व्यवस्था पर गहरी

नाराजगी जाहिर करते हुए पालिका प्रशासन को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि गलियों में गंदगी के ढेर और जल निकासी का अभाव प्रशासन की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहा है। विधायक ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि अब कोरी कागजी खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा, धरातल पर बदलाव दिखना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए और यदि भविष्य में किसी भी वार्ड से गंदगी की शिकायत मिली, तो संबंधित कर्मचारी और अधिकारी के खिलाफ सीधे कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गाज गिरेगी। विकास कार्यों की कछुआ चाल पर भी विधायक का पारा चढ़ा नजर आया। उन्होंने निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए सख्त हिदायत दी कि बजट की एक-एक पाई का सदुपयोग जनता के हित में होना चाहिए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मीणा ने दो टूक कहा कि विकास कार्यों में देरी और घटिया निर्माण करने वाले ठेकेदारों व शह देने वाले अफसरों को बख्शा नहीं जाएगा। विधायक ने ईओ और जेईएन को पाबंद किया कि वे स्वयं मौके पर जाकर कार्यों की मॉनिटरिंग करें ताकि गुणवत्ता बनी रहे। बैठक के दौरान पालिका अधिशाषी अधिकारी सुमेर सिंह मीणा, कनिष्ठ अभियंता मिथलेश मीणा, एलडीसी उदयसिंह मीणा सहित समस्त कर्मचारी मौजूद रहें।

महवा में गौ सम्मान आह्वान अभियान: हजारों गौ भक्तों की रैली, 'राष्ट्रमाता' का दर्जा देने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'गौसेवा ही राष्ट्र सेवा है और गौ संरक्षण से ही सनातन संस्कृति का संतुलन संभव है' – इसी संकल्प के साथ सोमवार को महवा में 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के तहत श्रद्धा और आस्था का विशाल संगम देखने को मिला। उपखंड मुख्यालय पर साधु-संतों के सानिध्य में हजारों गौ भक्तों ने रैली निकालकर गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का संवैधानिक दर्जा देने की मांग उठाई। श्रीकृष्ण गोपाल गौशाला से शुरू हुई यह रैली जब कीर्तन करते हुए मुख्य बाजार से गुजरी, तो पूरा कस्बा गौ भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। जयकारों और भजनों के साथ निकले इस कारवां में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और धर्मप्रेमी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:15 बजे किले स्थित गौशाला में गौ माता की विशेष पूजा-अर्चना और आरती से हुई। इसके बाद संतों की अगुवाई में श्रद्धालु संकीर्तन करते हुए मुख्य बाजार और केंद्रीय बस स्टैंड से होते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचे। यहां गौभक्तों ने उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन 8256 गौ भक्तों के हस्ताक्षरों से युक्त 173 पन्नों का दस्तावेज है, जिसमें 34 प्रमुख

मांगों के माध्यम से गौ संरक्षण और संवैधानिक दर्जे की मांग की गई है।

गौपुत्र अवधेश अवस्थी ने बताया कि यह अभियान देशभर में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और गौवंश को 'राष्ट्रमाता' घोषित करवाना है।कार्यक्रम में संत धर्मेश्वर दास महाराज ने कहा कि गौवंश हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला और सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे संवैधानिक संरक्षण मिलना जरूरी है। वहीं संत रामलखन दास महाराज ने कहा कि गौमाता की रक्षा से ही हमारी संस्कृति सुरक्षित रह सकती है। रैली के दौरान हजारों श्रद्धालु नाचते-गाते और जयकारे लगाते हुए पैदल मार्च में शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में सरकार से गौमाता के सम्मान में कड़े केंद्रीय कानून बनाने की मांग की।

गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने की मांग, मंडावर से उठी आवाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'जिनके आँगन में कभी समृद्धि का स्वर गूंजता था, आज वही गौवंश सड़कों पर लाचार खड़ा है '– इसी वेदना और संकल्प के साथ मंडावर में गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का संवैधानिक दर्जा दिलाने की मांग को लेकर एक व्यापक पहल की गई। मंडावर गौसेवा समिति एवं निर्गुण दरबार गौशाला सहित क्षेत्र के गौसेवकों ने एकजुट होकर उपखंड अधिकारी अमित वर्मा को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण परिवेश में गोपूजन के साथ सौंपे गए इस ज्ञापन में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48 और 51A(g) की भावना के अनुरूप देशी गोवंश को पूर्ण संवैधानिक संरक्षण देने की

मांग उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि जहां संविधान राज्य को गौवंश संरक्षण का दायित्व देता है, वहीं नागरिकों का भी कर्तव्य है कि वे जीव-जंतुओं के प्रति करुणा रखें, लेकिन वर्तमान हालात इन आदर्शों के विपरीत हैं। गौसेवकों ने ज्ञापन में स्पष्ट किया कि देशी गोवंश केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। 'गोवंश बचेगा तो खेत बचेगा, खेत बचेगा तो अन्नदाता बचेगा' के संदेश के साथ गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही तस्करी, अवैध वध, सड़क दुर्घटनाओं और प्लास्टिक खाने जैसी समस्याओं को गौवंश के लिए गंभीर संकट बताया गया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि राष्ट्रपति द्वारा ब्रज क्षेत्र में गौपूजन और गोवंश को 'जीवनधन' कहे जाने से उम्मीद जगी है कि अब इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। वहीं प्रधानमंत्री के 'पंचप्राण' संकल्प और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की पहल का हवाला देते हुए गौमाता को राष्ट्रीय सम्मान देने की मांग दोहराई गई। राजस्थान के संदर्भ में ज्ञापन में बताया गया कि स्वतंत्रता के समय प्रति व्यक्ति गोवंश की संख्या जहां 10 थी, वह अब काफी कम हो गई है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक मूल्यों के कमजोर होने का संकेत है। ज्ञापन में केंद्रीय स्तर पर गौसेवा मंत्रालय की स्थापना, गौवध पर पूर्ण प्रतिबंध, कठोर कानून लागू करने तथा राज्य सरकार द्वारा केंद्र को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की अनुशंसा भेजने की मांग भी शामिल की गई। इस दौरान पंडित श्यामसुंदर शास्त्री, गौसेवा समिति अध्यक्ष रविकुमार मीणा, संत सरयूदास महाराज, वकील मीना, लोकेश रायपुर, दीनदयाल ककरोडा, सोहनलाल सैनी, महेंद्र खड़ोडिया सहित अनेक गौसेवक मौजूद रहें।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत ने विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उपशाखा लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष रामावतार फगेडिया के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को उपखण्ड कार्यालय पहुंचकर उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा को ज्ञापन

देते हुए विद्यालयों में सिलेंडर की समस्या की समस्या का समाधान, बीएलओ को जनगणना ड्यूटी में लगाने पर आदि पर उपखंड अधिकारी से चर्चा की गई। उपखण्ड अधिकारी ने प्रतिनिधि मंडल को सकारात्मक जबाब दिया व जल्दी ही समाधान का आश्वासन दिया साथ ही शारिरिक शिक्षकों के स्थाईकरण का, ग्रीष्मकालीन अवकाश कटौती के लिए ज्ञापन दिया गया इस अवसर पर मंत्री मनोज महला , बिहारीलाल, शंकर लाल, प्रह्लाद जांगिड़, सुधीर महरिया, रामकुमार सिंह, शिवभगवान, योगराज, शाहिल, शहजाद, महबूब अली, रामकिशन आदि शिक्षक उपस्थित रहें।

मंडावा में गौ माता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की उठी मांग

संदीप शर्मा बोले–भारतीय संस्कृति की आधारशिला है गौ माता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने की मांग को लेकर सोमवार को एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। निराश्रित कामधेनु गौशाला के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र शर्मा के नेतृत्व में दर्जनों युवाओं ने एकजुट होकर इस विषय को प्रमुखता से उठाया और मंडावा तहसीलदार मुकेश सिंहाग को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया, जिसमें गौ माता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल थी। इस दौरान रविन्द्र शर्मा ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में गौ माता को अत्यंत पूजनीय स्थान प्राप्त है। धार्मिक मान्यताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि गौ माता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना गया है और शास्त्रों में गौ सेवा, रक्षा एवं पूजन को अत्यंत पुण्यदायी बताया गया है। उन्होंने जनमानस से आह्वान किया कि इस मांग को जन आंदोलन का रूप देकर सरकार तक मजबूती से पहुंचाया जाए। वहीं पूर्व भाजपा जिला मंत्री एवं प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, सभ्यता और जीवनशैली की आधारशिला रही है। उन्होंने कहा कि गाय न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार भी है। सदियों से गाय को मातृत्व, सेवा, पोषण और समृद्धि का प्रतीक माना जाता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिया जाता है, तो देशभर में गौ संरक्षण को नई दिशा मिलेगी। इससे निराश्रित गोवंश की समस्या के समाधान के साथ-साथ गौशालाओं के विकास और पशुधन संवर्धन को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में समाज के सभी वर्गों से अपील की गई कि वे केवल भावनात्मक रूप से नहीं, बल्कि व्यावहारिक स्तर पर भी गौ सेवा और संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाएं, ताकि इस दिशा में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। इस अवसर पर सीताराम सैनी, संदीप शर्मा, विद्याधर सैनी, संजय शर्मा लुमास, नरेंद्र सुरोलिया, सुमित सैनी, राहुल सैनी, महेश बारी,पंकज सैनी, प्रकाश स्वामी, प्रदीप सैनी, कृष्ण चौहान, मानव सैनी , किशोर चौहान,निहाल यादव, हेमंत सैनी, गोवर्धन ,निखिल कुमार, नितिन कुमार, रविंद्र शर्मा, अमित मीणा सहित अनेक गौ भक्त उपस्थित रहे।

अजीतगढ़ में गौ सम्मान यात्रा: 'राष्ट्रमाता' दर्जे की मांग, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजीतगढ़।

गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने और देशभर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर सोमवार को अजीतगढ़ में राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत भव्य गौ सम्मान यात्रा निकाली गई। साधु-संतों के नेतृत्व में निकली इस यात्रा के बाद तहसीलदार स्नेहलता राजोरिया को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। अभियान के तहत सुबह श्रीकृष्ण गोशाला अजीतगढ़ में संतों के आशीर्वचन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसके बाद गौ सम्मान यात्रा शहर के मुख्य बाजारों से होकर गुजरी। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा पुराने उप तहसील कार्यालय पहुंची, जहां संतों का माल्यार्पण और शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर रामसर जोहड़ा धाम के संत हरिदास महाराज, आसपुरा धूनी धाम के संत गोपाल दास महाराज, नागापीठ के संत विश्वस्वरूप दास महाराज, हथौरा धाम के संत प्रभुदास महाराज सहित कई संतों का सम्मान किया गया।इसके बाद तहसीलदार स्नेहलता राजोरिया को अलग-अलग प्रतियों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। तहसीलदार ने आश्वासन दिया कि ज्ञापन को उच्च अधिकारियों तक प्रेषित किया जाएगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संत हरिदास महाराज ने कहा कि सनातन संस्कृति में गौ को माता का दर्जा सदियों से प्राप्त है, अब इसे कानूनी रूप से 'राष्ट्रमाता' का दर्जा मिलना चाहिए और देशभर में गौ हत्या पूरी तरह बंद होनी चाहिए। संत विश्वस्वरूप दास महाराज ने भी गौमाता को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गौ सम्मान दिवस कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।इस दौरान पद्मश्री सम्मानित जगदीश प्रसाद पारीक, अभियान तहसील प्रभारी अनंत दास महाराज, गोविंद सिंह नाथावत, कृष्ण कुमार योगी, बजरंग दल युवा, आरएसएस, विहिप कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में गौभक्त और गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन सुशील शर्मा एवं अनंत दास महाराज ने किया।

गोशाला संचालकों का हुआ सम्मान

गौ सम्मान दिवस कार्यक्रम में अजीतगढ़ ब्लॉक की विभिन्न गोशालाओं के संचालकों और गौसेवकों का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। संतों ने कहा कि गौशालाएं सनातन संस्कृति की धुरी हैं और प्रत्येक व्यक्ति को गौसेवा में योगदान देना चाहिए।कार्यक्रम में श्री प्रहलाद गोपाल गोशाला खिरोटी, श्री गोपाल गोशाला हरदासकाबास, श्री रामकृष्ण गोशाला हाथीदेह, श्री कृष्ण गोशाला दिवराला सहित कई संस्थाओं से जुड़े लोगों को सम्मानित किया गया। अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से गौसेवा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना है, ताकि गौमाता को राष्ट्रीय स्तर पर उचित अधिकार मिल सकें।

मानोता खुर्द के जवाहर मेमोरियल स्कूल में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

चार होनहार छात्राओं को मंच पर मिली स्कूटी की सौगात।

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ी उपखंड के मानोता खुर्द ग्रामीण क्षेत्र में जवाहर मेमोरियल स्कूल की दो छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा परिणाम में प्रदेश स्तर पर टॉप 12 में स्थान प्राप्त कर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस उपलक्ष में आज ज्वाहर मेमोरियल स्कूल में विजयोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान हुआ, चार होनहार बेटियों को स्कूटी की सौगात मिली। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक इंजी. धर्मपाल गुर्जर ने शिक्षा के साथ संस्कारों का संदेश दिया। स्कूल प्रशासन ने बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया। जैसे ही छात्राओं को स्कूटी की चाबी सौंपी गई, पूरा परिसर तालियों की गूंज से गूंज उठा। समारोह में छात्रा अंशुल गुर्जर, गरिमा गुर्जर, हिमांशी और जयंती को स्कूटी देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली अंशुल गुर्जर को 11 हजार रुपए का नकद पुरस्कार भी दिया गया। छात्राओं की सफलता पर अभिभावकों के चेहरे भी गर्व से खिल उठे। मुख्य अतिथि विधायक इंजी. धर्मपाल गुर्जर ने कहा कि सिर्फ नंबर लाना ही बड़ी बात नहीं है, असली सफलता तब है जब बच्चे संस्कारवान बनें। उन्होंने कहा कि अच्छे अंक नौकरी दिला सकते हैं, लेकिन अच्छे संस्कार जीवन में सम्मान दिलाते हैं। विधायक ने ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं की जमकर सराहना करते हुए कहा कि गांवों में हुनर की कमी नहीं, जरूरत सिर्फ सही मार्गदर्शन की है। जयसिंह रोजड़िया ने कहा कि शिक्षा वह ताकत है जो बच्चों का भविष्य बदल सकती है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि यहां पढ़ाई के साथ अनुशासन और संस्कारों पर भी बराबर ध्यान दिया जा रहा है। संस्था निदेशिका मनजीत ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम देना नहीं, बल्कि बच्चों को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और संस्कारवान नागरिक बनाना है। उन्होंने कहा कि आगे भी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को हर संभव प्रोत्साहन दिया जाएगा। समारोह के दौरान बच्चों ने देशभक्ति गीतों और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को देशभक्ति और उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक, विद्यार्थी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर अमित ठोलिया, राममबीर चनेजा प्रमोद जांगिड़, रविंदर जांगिड़, नरेन्द्र सैन, सतीश ,महावीर, रामसिंह, मंजू, ममता, अभिषिका, विशाखा, देवकी, कृष्णा, मोनिषा ,मोहित रावत ,कैलास , लालू प्रसाद, रामसिंह ,हिम्मत, महेंद्र, स्टाफ व अभिभावक मौजूद रहे। वही मंच संचालन विद्यालय प्रवक्ता संजय जिंदड़ ने किया।

बहुचर्चित महेन्द्र योगी हत्याकांड में बड़ी सफलता: 20 माह से फरार कमल जोगी पुलिस की गिरफ्त में

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'जुल्म की उम्र चाहे कितनी भी लंबी क्यों न हो, उसका अंत न्याय के दरवाजे पर ही होता है '–टहलडी के बहुचर्चित महेन्द्र योगी हत्याकांड में यह पंक्ति एक बार फिर सजीव होती दिखाई दी है। लगभग 20 माह तक फरारी काटकर कानून की आंखों में धूल झोंक रहा आरोपी कमल जोगी आखिरकार मंडावर थाना पुलिस के शिकंजे में आ गया। इस गिरफ्तारी ने उस निर्मम हत्याकांड की परतों को फिर उधेड़ दिया है, जिसने कभी पूरे इलाके को दहला दिया था और इंसानियत को कटघरे में खड़ा कर दिया था। 11 सितम्बर 2024 की वह भयावह सांझ आज भी क्षेत्रवासियों के दिलों में सिहरन पैदा कर देती है, जब टहलडी निवासी महेन्द्र योगी मंडावर से घर लौट रहा थे। घाटा सहज्या मार्ग पर के.डी. कॉलेज के समीप सुनसान सड़क पर पहले से घात लगाए बैठे हथियारबंद हमलावरों ने उसे घेर लिया था। सरिया, दरात, कुल्हाड़ी और लाठियों से लैस आरोपियों ने पहले बुग्गा चालक को धमकाकर भगा दिया और फिर महेन्द्र योगी पर टूट पड़े। निर्ममता की सारी हदें पार करते हुए आरोपियों ने धारदार हथियारों से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। घटना के बाद जब मृतक का भाई राधेश्याम योगी और मृतक की बेटी सुमन मौके पर पहुंचे, तो खेत में खून से लथपथ महेन्द्र का शव देखकर उनका संसार उजड़ चुका था। आरोपियों ने उन्हें भी धमकाया और फरार हो गए। महेन्द्र के शव को मंडावर के सरकारी अस्पताल लाया गया। इस मामले में मृतक के भाई ने करीब 20 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भिजवा दिया था। इसी कड़ी में फरार चल रहे आरोपी कमल जोगी जो कि अपनी पहचान बदलकर गुजरात में छिपा बैठा था और लगातार गिरफ्त से बच रहा था। लेकिन पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान के तहत आखिरकार कानून की पकड़ उस तक पहुंच ही गई। महवा वृत्ताधिकारी मनोहरलाल के सुपरविजन में थानाधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने पुख्ता गोपनीय सूचना के आधार पर 26 अप्रैल 2026 को सलेमपुर क्षेत्र से उसे दबोच लिया। मंडावर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शेष फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी अभियान तेज कर दिया गया है और सभी को ठोस साक्ष्यों के साथ अदालत के कटघरे में खड़ा किया जाएगा, ताकि इस जघन्य अपराध में शामिल हर दोषी को सजा मिल सके और पीड़ित परिवार को पूर्ण न्याय प्राप्त हो।

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दो': आज देशभर की तहसीलों में सौंपे जा रहे 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के प्रार्थना पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने और देश में गो हत्या निषेध कानून लागू कराने की मांग को लेकर आज सोमवार को प्रातः 11 बजे से पूरे देश में 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' का पहला चरण शुरू हो गया है। संतों के सान्निध्य में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत भारत की सभी तहसीलों में तहसीलदार व उपखंड अधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र सौंपे जा रहे हैं। गोमाता अमूल्य धरोहर, संपूर्ण प्रकृति का पोषण करती हैं' आयोजकों का कहना है कि गोमाता हमारे देश की अमूल्य धरोहर है एवं संपूर्ण प्रकृति का पोषण करती है। हम सभी का कर्तव्य है कि भारत में गो हत्या निषेध कानून लागू हो तथा गो माता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिले एवं उन्हें सम्मान प्राप्त हो। इसी उद्देश्य से आज संपूर्ण भारत में यह अभियान चलाया जा रहा है।

तहसील स्तर पर ज्ञापन, जुलाई में जिला कलेक्टर को देंगे पत्र

अभियान के प्रथम चरण में आज सुबह 11 बजे से देश की प्रत्येक तहसील में प्रार्थना पत्र दिए जा रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि यदि किसी कारणवश सुनवाई नहीं होती है तो 27 जुलाई 2026 को जिला कलेक्टर के माध्यम से फिर से प्रार्थना पत्र दिया जाएगा। यह अभियान किसी व्यक्ति, दल या संगठन का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो गो माता को माँ मानता है। आयोजकों ने परिवार, मित्रों एवं समाजजन सहित अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने की अपील की है। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से इसका प्रचार-प्रसार करने का आह्वान भी किया जा रहा है। नीमराना सहित पूरे क्षेत्र में इस अभियान को लेकर सुबह से ही उत्साह देखा जा रहाथा। तहसील कार्यालयों पर गोभक्त बड़ी संख्या में एकत्र हो रहे हैं। गोभक्तों का कहना है कि गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिलना सनातन संस्कृति का सम्मान होगा और इससे भारतीय कृषि व पर्यावरण को भी नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर नीमराना क्षेत्र में आसपास के सभी गौ भक्तों ने व साधु संतों ने व किन्नर समाज ने व नीमराना क्षेत्र के समस्त समाजसेवी भजन प्रतिनिधि मौजूद रहे सभी ने मिलकर राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम साहब को ज्ञापन सोंपा।

'संस्कृति की रंगत में झूमे कदम: अंतर- सदनीय एकल नृत्य प्रतियोगिता का शानदार आयोजन '

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

डालमिया विद्या मंदिर, चिड़ावा में शनिवार, 25 अप्रैल 2026 को अंतर- सदनीय एकल नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का विषय 'धार्मिक एवं लोक नृत्य' रखा गया, जिसमें विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हुए मनमोहक प्रस्तुतियां दी। सभी प्रतिभागीयों ने अपनी कला, आत्मविश्वास और मंच संचालन क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य शक्ति

सिंह एवं प्रधानाध्यापिका नमिता चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक समझ एवं मंच कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।प्रतियोगिता में विभिन्न सदनों के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा 7 ब की अविका (ब्रह्मपुत्र) एवं कक्षा 10 स के दीपक (गंगा) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने-अपने सदन का नाम रोशन किया। वहीं ऋषिका 7 अ (कावेरी), आरवी 6 स (कावेरी) और निधि 12 ब (नर्मदा) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा अरुषि 6 ब (गंगा), हिमाक्षी 8 अ (गंगा) और उन्नति 10 स (कावेरी) ने तृतीय स्थान हासिल किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम उत्साह, ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों से भरपूर रहा, जिसने सभी उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गौ सम्मान आह्वाहन रैली का हुआ भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । संपूर्ण देश में एक साथ, एक समय पर करीब 5000 स्थानों पर देश के संतों के आह्वाहन पर 'गौ सम्मान आह्वाहन रैली' के रूप में हजारों गौ सेवक लोग गौ हत्या बंद करने हेतु कानून बनाने को लेकर तहसीलदार को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया।

रैली का शुभारंभ रामदेवरा मंदिर चौक से हुआ जिसमें डीजे,गौ रथ, झाकियां, और अनेकों गाड़ियां के काफिले तथा सैकड़ों पैदल गौ भक्तों

के साथ रैली प्रारंभ हुई। रैली मुख्य मार्गों से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची जहां पर गौ हत्या बंद करने के कानून की मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया। भयंकर लू और गर्मी होने के बावजूद भी संत योगीनाथ महाराज(गोल्याना) के सानिध्य में गणमान्य लोग, युवा शक्ति और मातृ शक्ति ने अभियान में भाग लिया। इस मौके पर नवलगढ़ शहर और आस पास के क्षेत्रों के गौ पालक, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य लोग और काफी संख्या में नारीशक्ति ने सहभागिता दी।

नीमराना में 11 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में: श्रीरामनाथ अलग सेवा समिति का 13वां सर्वसमाज सामूहिक विवाह सम्मेलन, दूल्हों की निकासी बनी आकर्षण का केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज .नीमराना।

रमेशचंद । कस्बे के आर्य पब्लिक स्कूल प्रांगण में रविवार को श्री रामनाथ अलग सेवा समिति द्वारा 13वां सर्वसमाज सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में 11 जोड़ों ने सात फेरे लेकर नए जीवन की शुरुआत की। आयोजन की खास बात रही कि सभी 11 दूल्हों की एक साथ भव्य निकासी निकाली गई, जो कस्बे में चर्चा का विषय बन गई। सभी दूल्हों का श्रीराम प्लाजा में स्वागत किया गया। वहां से मुंडावर विधायक ललित यादव, बाबा गरीब नाथ आश्रम के महंत श्री श्री 108 इकसार नाथ महाराज, नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, पूर्व सरपंच सतीश मुद्गल, समाजसेवी कर्मपाल सिंह चौहान, राष्ट्रीय बहुजन सामाजिक परिसंघ के प्रदेश महासचिव महावीर प्रसाद चर्खिया व नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष संजय यादव ने निकासी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बैंड-बाजे, ढोल-डीजे के साथ निकासी पारले स्कूल, कृष्णा टावर, पंचायत समिति होते हुए आयोजन स्थल पहुंची। जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया। विधायक ललित यादव ने इस पहल को दहेज प्रथा के खिलाफ बड़ा कदम बताया।

मुख्य अतिथि ने दी 11 इलेक्ट्रिक स्कूटी, भामाशाहों ने दिल खोलकर किया कन्यादान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लॉर्ड्स क्रिएटिव ग्रुप नई दिल्ली एवं लॉर्ड्स प्रॉपर्टीज नीमराना के एमडी हर्षदीप सिंह रहे।अध्यक्षता नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी ने की। मुख्य अतिथि हर्षदीप सिंह ने सभी 11 नवविवाहित जोड़ों को इलेक्ट्रिक स्कूटी भेंट कीं। विशिष्ट अतिथि नीमराना लघु उद्योग भारतीय इकाई अध्यक्ष शशांक भारद्वाज ने प्रत्येक कन्या को पांच ज्वेलरी आइटम दिए। रैफल्स यूनिवर्सिटी

चेयरपर्सन जस्टिस डॉ. मीना वी. गोम्बर ने 11 फ्रिज, 11 एलईडी टीवी व 11 सिलाई मशीन भेंट कीं। सीनायटी कंपनी की ओर से 8 अलमारी दी गईं। भोजन की व्यवस्था एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी ने की। कार्यक्रम में समिति संरक्षक अनिल कुमार अलग, पूर्व प्रधान सविता मनोज यादव, एडवोकेट राकेश कुमार यादव, बाबा शिव स्वरूप गौशाला अध्यक्ष शिक्षाविद वीरेंद्र मास्टर, जिला पार्षद दावेदार ईश्वर यादव रोडवाल, एबीवीपी के अभिषेक कौशिक, किन्नर समाज की बहनें, समाजसेवी विनोद यादव प्रतापसिंहपुरा, अंकित यादव फौलादपुर, विकास यादव प्रतापसिंहपुरा, आर्य पब्लिक स्कूल निदेशक रविंदर यादव, सोनी देवी अस्पताल के डॉ. गजराज यादव, आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष एडवोकेट रविंद्र सामरिया सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मंच संचालन नागेंद्र खंडेलवाल थोई ने किया। समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामावतार वर्मा, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद चर्खिया, पत्रकार सुनील रांगेरा, बाबूलाल चर्खिया, शिक्षाविद नोतराम अध्यापक, संजय यादव, एडवोकेट ममता शर्मा, राजस्थान मेघवाल परिषद महिला जिला अध्यक्ष माया देवी ने अतिथियों को 51 किलो की माला, साफा व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि हर्षदीप सिंह ने कहा, 'श्री रामनाथ अलग सेवा समिति द्वारा नीमराना में सामूहिक सर्वजातीय विवाह सम्मेलन का आयोजन बहुत बड़ा संदेश है। आयोजन समिति और कार्यकर्ताओं को बधाई। लोग अपने लिए तो सब करते हैं, लेकिन समिति ने 11 जोड़ों का विवाह कराकर सामाजिक सरोकार का शानदार कार्य किया है। सामाजिक सरोकार के कार्यों में मैं सदैव सेवा में हाजिर रहूंगा। '

‘हर घर हनुमान चालीसा’ अभियान के अंतर्गत हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । नगर के श्रद्धालु बजरंग लाल कुमावत के निवास स्थान पर अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक भक्तजन, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक तथा श्रद्धालु एवं महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ कर वातावरण को भक्ति, शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। पाठ के दौरान सम्पूर्ण परिसर ‘जय बजरंगबली’ के जयकारों से गूंज उठा और उपस्थित जनसमूह ने प्रभु श्री हनुमान जी के चरणों में अपनी आस्था प्रकट की। वैद्य पवन कुमार शर्मा ने बताया कि आज के समय में हमारे समाज में प्रणाम करने का चलन लुप्त हो गया है हम किसी को भी प्रणाम करते हैं तो सामने वाला आशीर्वाद जरूर देता है तो यह प्रणाम करने का कारण है । एक धार्मिक बौद्ध कथा के माध्यम से वैध पवन कुमार जी शर्मा ने सभी लोगों को प्रणाम का

महत्व बताया और सभी से निवेदन किया कि अपने से बड़ों को जरूर प्रणाम करें और आप उनसे आशीर्वाद ले। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना का जागरण, आपसी भाईचारे का विस्तार, तथा नगर में समरसता एवं एकता का संदेश फैलाना रहा। आयोजकों ने बताया कि यह अभियान नवलगढ़ नगर के गली-गली एवं मोहल्ले-मोहल्ले में निरंतर आयोजित किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक घर में भक्ति का दीप प्रज्ज्वलित हो और समाज में संस्कारों की पुनः स्थापना हो सके।

इस अवसर पर नगर के अनेक प्रमुख व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वैद्य पवन कुमार शर्मा, भगवती प्रसाद शर्मा, बृजलाल मारोठिया, ओम प्रकाश शर्मा, राम अवतार ,सीताराम आशीवाल ,ताराचंद चेजारा, भानु प्रकाश छापोला, श्याम सुंदर कौशिक, श्यामलाल घोड़ेला ,शिवप्रसाद वर्मा, विकास वर्मा, लालचंद शर्मा ,अरविंद कुमार, चेतन कुमार ,गोपाल चेजारा, गुलाब मारोठिया, राजेश कुमार आशीवाल ,दयाल सिंह शेखावत, चिरंजी लाल, गणेश कुमार ,राकेश कुमार चेजारा, नवीन कुमावत ,उमेश चंद्र व्यास, प्रहलाद, गोपाल चेजारा, नितिन चेजारा ,नैतिक चेजारा, नरेश कुमार, दिलीप कुमार मारोठिया ,पन्नालाल जांगिड़, बजरंग लाल मारोठिया, विजय कुमार शर्मा, मुरली सिंह चौहान, लक्ष्मीकांत शर्मा ,श्याम सुंदर, विनोद कुमार चिरानिया, बालूराम, जितेंद्र सिंह तंवर ,बाबूलाल चेजारा ,रामावतार, सुरेश, सीता देवी ,गरिमा आशीवाल, रामस्वरूप घूघरवाल ,स सीताराम घोड़ेला, हरी राम सैनी, राजेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं महिलाओ की उपस्थित रहीं। अगला हनुमान चालीसा पाठ 10 मई को पन्नालाल जी जांगिड़, बालाजी मंदिर की गली पोद्दारो का डंडा में किया जायेगा।

बार काउंसिल चुनावः अमित राणा लगातार तीसरी बार निर्वाचित, टोहाना में जश्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

बार काउंसिल ऑफ पंजाब एवं हरियाणा, चंडीगढ़ के सदस्य चुनाव-2026 में वरिष्ठ अधिवक्ता अमित राणा को लगातार तीसरी बार निर्वाचित घोषित किया गया। उनकी इस जीत पर टोहाना बार एसोसिएशन में खुशी का माहौल रहा और अधिवक्ताओं ने लड्डू बांटकर जश्न मनाया। अमित राणा वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में डिप्टी एडवोकेट जनरल के पद पर कार्यरत हैं। वे पूर्व में फतेहाबाद जिला बार के सदस्य भी रह चुके हैं और लंबे समय से विधि क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनकी लगातार तीसरी जीत को अधिवक्ताओं ने उनके अनुभव, कार्यशैली और कानून के क्षेत्र में योगदान का परिणाम बताया।इस अवसर पर टोहाना के वरिष्ठ अधिवक्ता सरदार हरपाल सिंह आकांवाली, रामकुमार डांगरा, निशांत जैन, विजेंद्र सिंह नैन सहित अन्य

वकीलों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बार एसोसिएशन परिसर में अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। इस दौरान राजेंद्र पाहवा, सुनील बंसल, अमन अरोड़ा, सरदार जतनदीप सिंह, अमित अरोड़ा सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहें। अधिवक्ताओं ने विश्वास जताया कि अमित राणा अपने अनुभव से बार काउंसिल में अधिवक्ताओं के हितों की मजबूती से पैरवी करेंगे।

किसान हित की दिशा में प्रशासन सहयोगीः डीसी

डीसी फतेहाबाद डॉ. विवेक भारती ने समाधान शिविर में नागरिकों की सुनी समस्याएं, शिकायतों के शीघ्र निपटान के निर्देश दिए

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । डीसी डा. विवेक भारती ने कृषि विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिला में किसी भी किसान को फसल संबंधी परेशानी का सामना न करना पड़े। किसान हितों को सर्वोपरि रखते हुए विभाग सक्रियता से उनका सहयोगी बनें। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसल का नुकसान हुआ है, उनका समुचित, निष्पक्ष और समयबद्ध मूल्यांकन सुनिश्चित करवाते हुए नियमानुसार उन्हें मुआवजा व अन्य लाभ दिलाया जाए।लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर के दौरान गांव मेहूवाला से पहुंचे किसानों की समस्याएं सुनते

हुए डीसी डा. विवेक भारती ने कहा कि किसान हित सर्वोपरि है और उनकी शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रखी जाए, ताकि पात्र किसानों को समय पर राहत मिल सके।डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल नुकसान के मामलों में मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाना जरूरी हैं और रिपोर्ट में पूरी पारदर्शिता भी बरतें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि किसानों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों के प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के निर्देश देते हुए डीसी ने सभी विभागों को उस पर की गई कार्रवाई की एक्शन टेकन रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही उन्होंने एसएमजीटी पोर्टल पर लंबित शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में निपटाने के निर्देश भी दिए।

डीसी डॉ. भारती ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता के साथ संवाद बनाए रखें और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए समस्याओं का समाधान करें, ताकि आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। इस अवसर पर एडीसी अनुराग ढालिया, आरटीए सचिव संजय बिश्नोई, डीएमसी प्रवीण कुमार, डीएसपी संजय कुमार, डीआरओ श्याम लाल, डीडीपीओ अनूप सिंह, कार्यकारी अभियंता राहुल चहल, देवेंद्र सिंह, संजीव सहारण, डीडीए राजेश सिहाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहें।

संगठित पुलिसिंग की झलक : फतेहाबाद पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड आयोजित

डीएसपी नर सिंह ने परेड का निरीक्षण कर दक्षता, अनुशासन और जनसेवा पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस लाइन फतेहाबाद में आयोजित साप्ताहिक पुलिस परेड के दौरान जिले के पुलिस बल की तैयारियों, अनुशासन और कार्यक्षमता का आकलन किया गया। परेड के माध्यम से पुलिसकर्मियों की शारीरिक दक्षता, एकरूपता और सतर्कता का प्रभावी प्रदर्शन देखने को मिला। परेड का निरीक्षण डीएसपी नर सिंह द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्रिल, टर्नआउट और समन्वय का बारीकी से अवलोकन किया तथा पुलिसकर्मियों को नियमित अभ्यास और अनुशासित दिनचर्या बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण उपरांत डीएसपी नर सिंह ने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग की नींव अनुशासन, सजगता और मानसिक मजबूती पर आधारित होती है। उन्होंने बल को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने और आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने का आह्वान किया। परेड के उपरांत उन्होंने ईआरवी,

राइडर तथा पीसीआर यूनिट्स की तैनाती और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस दौरान आमजन को समय पर सहायता उपलब्ध कराने, रिस्पॉन्स टाइम बेहतर करने और फील्ड में सक्रियता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। डीएसपी ने पुलिसकर्मियों की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याओं को भी गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को उनके समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का मनोबल और कल्याण विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने पुलिसकर्मियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम, योग तथा नशामुक्त दिनचर्या बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है, जिसे निरंतर कर्मठता से मजबूत किया जाना चाहिए। इस अवसर पर पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

मंडावा में गौ माता को ‘राष्ट्र माता’ घोषित करने की उठी मांग, युवाओं ने सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

मंडावा में गौ माता को ‘राष्ट्र माता’ का दर्जा देने की मांग को लेकर युवाओं ने तहसीलदार मुकेश सिहाग को ज्ञापन सौंपा। निराश्रित कामधेनु गौशाला के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र शर्मा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा गया। वक्ताओं ने सनातन परंपरा में गौ माता के

महत्व पर जोर देते हुए गौ संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। पूर्व भाजपा जिला मंत्री संदीप शर्मा ने गौ माता को भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला बताते हुए गौशालाओं के विकास, पशुधन संवर्धन और निराश्रित गोवंश की समस्या के समाधान की मांग उठाई। कार्यक्रम के अंत में समाज से गौ सेवा के लिए ठोस प्रयास करने की अपील की गई।

सीआईए रतिया पुलिस की बड़ी कार्रवाईः डोडा पोस्त सहित महिला आरोपी काबू

15 किलो 235 ग्राम डोडा पोस्त बरामद, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । सीआईए रतिया पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला आरोपी को भारी मात्रा में डोडा पोस्त सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम के तहत गश्त के दौरान एनएच-9 पर कोर्ट फतेहाबाद के सामने मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि पंजाब निवासी एक महिला नया बस अड्डा फतेहाबाद की ओर सिर पर प्लास्टिक का कट्टा लेकर आ रही है, जिसमें डोडा पोस्त होने की संभावना है। सूचना को विश्वसनीय मानते हुए पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान के पास नाकाबंदी कर ली। महिला पुलिस कर्मचारी की मौजूदगी में संदिग्ध महिला को रोका गया और पूछताछ की गई, जिसमें उसकी पहचान कृष्णा कौर पत्नी गोरा सिंह निवासी जैतो मंडी, जिला फरीदकोट (पंजाब) के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी के दौरान महिला के कब्जे से प्लास्टिक के कट्टे में रखा कुल 15

किलो 235 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 179 दिनांक 26.04.2026 धारा 15(B), 61, 85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी महिला को नियमानुसार काबू कर माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले की आगामी जांच जारी है।

थाना सदर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाईः चोरी के मामले में आरोपी काबू

घर का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले में आरोपी पर कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना सदर टोहाना पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक शादी राम ने बताया कि शिकायतकर्ता सोनू राम पुत्र मुख्तयार सिंह निवासी गांव खनौरा ढाणी, तहसील टोहाना, जिला फतेहाबाद ने अपनी शिकायत में बताया कि वह दिहाड़ी मजदूरी करता है और मार्च माह में काम के सिलसिले में बाहर गया हुआ था। इसी दौरान 14 अप्रैल को उसके घर पर ताला लगा हुआ था। 20 अप्रैल को उसके चाचा अमरजीत ने आरोपी को एलसीडी लेकर जाते हुए देखा। पहचान होने पर आरोपी एलसीडी छोड़कर मौके से फरार हो गया। बाद में घर पहुंचने पर पाया कि घर का ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था, जिसमें से पंखे, गेहूं तथा चांदी के आभूषण चोरी हो चुके थे। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 70 दिनांक 26.04.2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने

तत्परता दिखाते हुए आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी की पहचान दिशी पुत्र पहलवान निवासी खनौरा ढाणी, तहसील टोहाना, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। आरोपी को नियमानुसार काबू कर न्यायालय में पेश किया जाएगा, मामले की आगामी जांच जारी है।

फतेहाबाद थाना शहर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः आपसी रंजिश में युवक की हत्या के मामले में चार आरोपी काबू

मात्र कुछ ही घंटों में आरोपियों को काबू करने में सफलता, धारदार हथियार से हमला; बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

विजय रंगा,(ब्यूरो चीफ) । थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने हत्या के एक मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा सभी नामजद आरोपियों को काबू कर लिया गया है, जिन्हें नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए उप पुलिस अधीक्षक संजय कुमार, एचपीएस ने बताया कि 26 अप्रैल की रात को हुए मोनू हत्याकांड में थाना शहर फतेहाबाद की पुलिस टीम ने उपनिरीक्षक रमेश कुमार के नेतृत्व में कार्य करते हुए मात्र कुछ ही घंटों में सभी आरोपियों को काबू कर लिया। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता सचिन कुमार पुत्र कृष्ण कुमार निवासी बालाजी कॉलोनी, आजाद नगर, फतेहाबाद ने अपनी शिकायत में बताया कि उसका भाई मोनू अपने साथियों के साथ घर के पास बैठा हुआ था, तभी आरोपी वहां पहुंचे और कहासुनी करने

लगे। शिकायत के अनुसार, मोनू और आरोपी अरुण के बीच पहले से विवाद चला आ रहा था। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने मोनू पर हमला कर दिया और मारपीट करते हुए उस पर धारदार हथियार से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल फतेहाबाद ले जाया गया, जहां से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई।इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 181 दिनांक 27.04.2026 के तहत धारा 191(2), 191(3), 190, 103(1) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए चारों आरोपियों को काबू कर लिया।आरोपी की पहचान शंकर लाल पुत्र राजेश कुमार निवासी आजाद नगर, किताब पुत्र ओमप्रकाश निवासी किर्ती नगर, अरुण पुत्र विक्की निवासी बालाजी कॉलोनी तथा अभिलाष उर्फ निंजा निवासी ढाणी ईशर के रूप में हुई। जांच के दौरान आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि आरोपी आदतन श्रेणी के हैं तथा इनके विरुद्ध पूर्व में भी विभिन्न आपराधिक अभियोग दर्ज हैं।

रतिया सीआई की बड़ी कार्रवाईः ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चलाने वाला आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

सीआईए रतिया पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नकदी और मोबाइल फोन बरामद कर मामला दर्ज किया है। सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम अपराध की रोकथाम के तहत नन्हेड़ी बस अड्डा, रतिया रोड पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुलां निवासी दीपक गोयल उर्फ दीपु अपनी दुकान के माध्यम से अपने साथी गौरव उर्फ गोल्डी लंगड़ा निवासी रतिया के साथ मिलकर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चला रहा है और लोगों को लालच देकर पैसे ऐंठ रहा है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी और आरोपी को काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान दीपक गोयल उर्फ दीपु पुत्र उग्रसैन निवासी कुलां के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 10,000 रुपये नकद और 4 मोबाइल फोन बरामद किए गए। मोबाइल फोन की जांच में ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़ी वेबसाइट, आईडी-पासवर्ड और व्हाट्सएप के माध्यम से लोगों को सट्टा खेलने के लिए भेजे गए संदेशों के साक्ष्य मिले हैं। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 69 दिनांक 26 अप्रैल 2026 के तहत धारा 318(4), 61(2), 3(5) बीएनएस

तथा हरियाणा पब्लिक गैंबलिंग प्रिवेंशन एक्ट 2025 की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को काबू कर नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

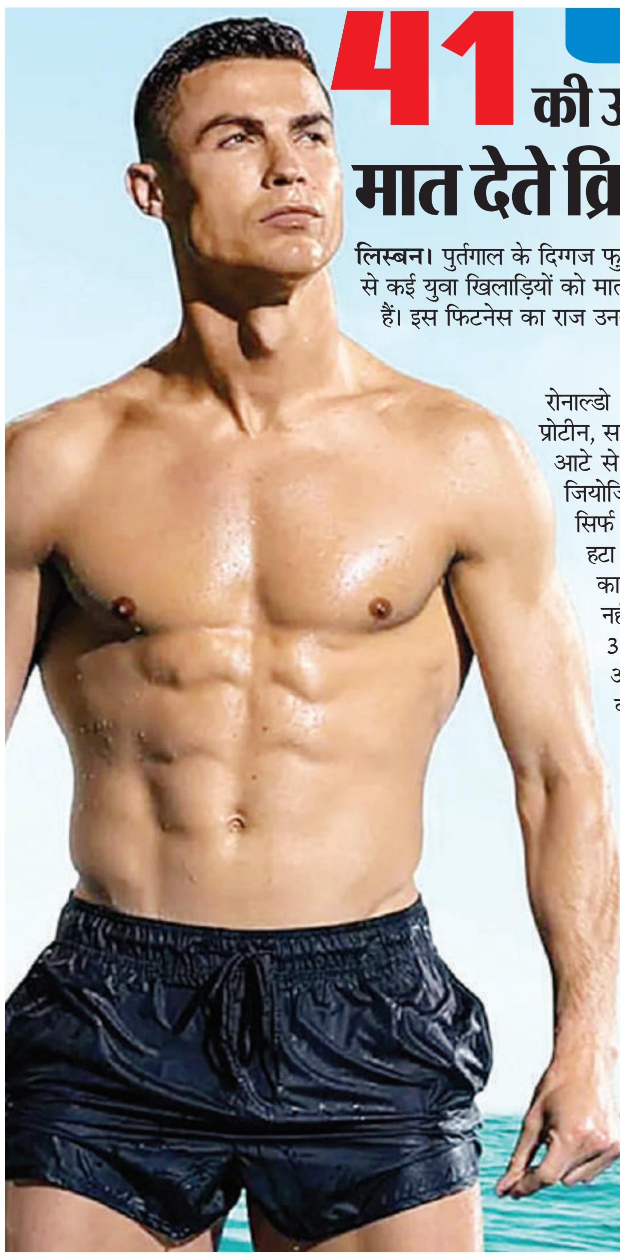

इन चीजों से करते हैं परहेज

41 की उम्र में युवा खिलाड़ियों को मात देते क्रिस्टियानो रोनाल्डो

लिस्बन। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 41 की उम्र में अपनी फुर्ती से कई युवा खिलाड़ियों को मात दे देते हैं। वह अपने खेल का स्तर शीर्ष पर बनाए रखे हैं। इस फिटनेस का राज उनकी अनुशासित दिनचर्या और सख्त डायट में छुपा है।

दूध को डायट से रखते हैं दूर

रोनाल्डो अपनी डायट से दूध को पूरी तरह बाहर रखते हैं। वह प्रोटीन, सब्जियों और हैल्दी फैट्स पर जोर देते हैं। वहीं, चीनी और आटे से बनीं चीजों से परहेज करते हैं। उनके पूर्व निजी शेफ जियोर्जियो बारोने के अनुसार, रोनाल्डो के डाइट से दूध को न सिर्फ परफॉर्मेंस के कारण बल्कि मान्याताओं के चलते पूरी तरह हटा दिया गया है। वह कहते हैं, इंसान ही है जो दूसरे जानवरों का दूध पीता है। कोई भी अन्य जानवर तीन महीने के बाद दूध नहीं पीता। यह प्रकृति में कहीं नहीं पाया जाता। लेकिन इंसान 30, 40, 50 और 60 साल की उम्र तक दूध पीते रहते हैं और मेरे विचार में यह गलत है। रोनाल्डो थोड़ा-थोड़ा सब कुछ खाते हैं, लेकिन जोर हमेशा हेल्दी चीजों पर रहता है।

जीवनशैली : नींद और बर्फीले पानी से नहाने को प्राथमिकता

दूध को प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन्स से भरपूर सुपर ड्रिंक माना जाता है, फिर भी रोनाल्डो ने इसे पूरी तरह अपने जीवनशैली से बाहर रखा है। इससे उनके शरीर में फैट का स्तर 10 प्रतिशत से नीचे बना रहता है और वह फिट रहते हैं। उनका रूटीन सिर्फ खाने तक सीमित नहीं, वह रिकवरी के तरीकों जैसे नींद और बर्फ के पानी से नहाने को भी प्राथमिकता देते हैं।

ये है रोनाल्डो की डायट

नाश्ते में –	एवाकाडो, कॉफी, अंडे, हैम और फल
लंच में–	चिकन, मछली, ऑलिव्स, सलाद
डिनर में –	मछली या मीट और हरी सब्जियां
(आटे से बनी चीजें, पास्ता, ब्रेड उनकी डायट का हिस्सा नहीं)	

जब प्रीति जिंटा से गले लगाकर गदगद हुए चहल, सोशल मीडिया पर मची हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का 35वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। अरुण जेट्ली स्टेडियम में खेले गए मैच में पंजाब ने दिल्ली को छह विकेट से हराकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया। पंजाब किंग्स की शानदार जीत के जश्न में टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा भी शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर उनकी तमाम तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

पंजाब की शानदार जीत

पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया। दिल्ली ने केएल राहुल के नाबाद 152 रन की बदौलत 20 ओवर में दो विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। आईपीएल का यह सबसे सफल रन चेज है। ये रिकॉर्ड पहले भी पंजाब के ही नाम था जिन्होंने 2024 में केकेआर के खिलाफ दो विकेट पर 262 रन बनाए थे। अब पंजाब ने अपने इस रिकॉर्ड में सुधार किया है।

अजेय अभियान जारी

पंजाब का आईपीएल 2026 में अजेय अभियान जारी है और वह अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों पर नौ चौकों और पांच छक्कों की मदद से 76 रन बनाए, जबकि श्रेयस 36 गेंदों पर तीन चौकों और सात छक्कों के सहारे 71 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली के लिए कुलदीप यादव ने दो विकेट झटके, जबकि अक्षर पटेल और विपराज निगम को एक-एक सफलता मिली।

प्रीति जिंटा भी हुईं जीत के जश्न में शामिल

टीम की इस ऐतिहासिक जीत के बाद मैदान पर जश्न का माहौल देखने लायक था। खिलाड़ियों के साथ–साथ टीम की सह–मालकिन प्रीति जिंटा भी बेहद उत्साहित नजर आईं और उन्होंने मैदान पर आकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इस दौरान एक खास पल तब देखने को मिला जब युजवेंद्र चहल ने प्रीति जिंटा को गले लगाकर अपनी खुशी जाहिर की। यह भावुक और खुशनुमा पल कैमरों में कैद हो गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फैंस इस तस्वीर को खूब पसंद कर रहे हैं और अलग–अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन पर हासिल की जीत

क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4–1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2–3 से हार गई थी। यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

सिंधू को दिया आराम– उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21–19, 22–20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21–12, 17–21, 21–10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

बैडमिंटन में हुआ बड़ा बदलाव, अब 15×3 स्कोरिंग सिस्टम से होंगे मैच

नई दिल्ली। बैडमिंटन मैच अब 21म3 नहीं, बल्कि 15म3 स्कोरिंग सिस्टम से खेले जाएंगे। मैच अब 21-21 के तीन गेम की जगह 15-15 के तीन गेम खेले जाएंगे। इस नए स्कोरिंग सिस्टम पर शनिवार को डेनमार्क के होर्सेन्स में बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भारी बहुमत से मुहर लगा दी गई। बैठक में पेश प्रस्ताव को मतदान में 198-43 के अंतर से पारित किया गया है। नया सिस्टम चार जनवरी, 2027 से लागू किया जाएगा।

बीडब्ल्यूएफ की अध्यक्ष ने किया स्वागत– बीडब्ल्यूएफ का तर्क है कि नए सिस्टम से खेल में हाई प्रेशर मूवमेंट जल्दी आएंगे और रोमांचकता बढ़ जाएगी। बैडमिंटन में 21 प्वाइंट वाला मौजूदा प्रारूप साल 2006 में लागू किया गया था। इस प्रारूप में मैच लगातार 45 मिनट से 100 मिनट तक खिंच रहे थे, जिससे प्रसारक नाराज थे। उनकी मांग थी कि पांचों सेगमेंट (पुरुष और महिला एकल, युगल और मिश्रित) के मुकाबले तीन घंटे के भीतर खत्म होने चाहिए। बीडब्ल्यूएफ की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है।

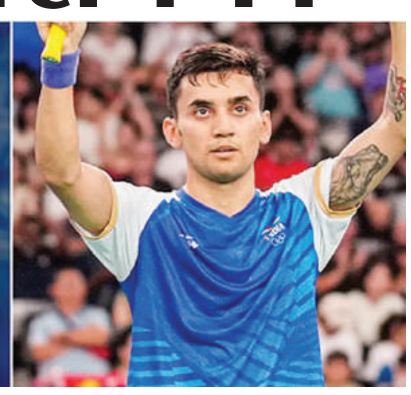

ये होंगे प्रमुख बदलाव

- 60 सेकेंड का मिडगेम ब्रेक 11वें के बजाय 8वें प्वाइंट पर होगा।
- दो गेम के बीच के ब्रेक की अवधि 120 सेकेंड रखी जाएगी।
- 15 प्वाइंट पर पहुंचकर खिलाड़ी को दो प्वाइंट का अंतर बनाना होगा।
- प्वाइंट्स की अधिकतम सीमा 30–29 के बजाय अब 21–20 होगी।

चोटिल एनगिडी के लिए एकजुट हुआ IPL परिवार, फ्रेंचाइजियों ने की 'स्पीडी रिकवरी' की दुआएं

नई दिल्ली। आईपीएल मुकाबले के दौरान चोटिल हुए दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के जल्द स्वस्थ होने की कामना अब सिर्फ उनकी टीम ही नहीं, बल्कि पूरी लीग की फ्रेंचाइजियां कर रही हैं। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में हुई इस घटना ने क्रिकेट जगत को चिंता में डाल दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर दुआओं का सिलसिला शुरू हो गया।

कैसे हुआ हादसा?

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच के दौरान तीसरे ओवर में यह हादसा हुआ। मिड–ऑफ से दौड़ते हुए कैच लेने की कोशिश में एनगिडी संतुलन खो बैठे और गिरते समय उनके सिर का पिछला हिस्सा जमीन से जोर से टकरा गया। चोट इतनी गंभीर थी कि तुरंत फिजियो को मैदान पर बुलाना पड़ा।
तुरंत मिला इलाज, एंबुलेंस से अस्पताल रवाना
मेडिकल टीम ने एहतियातन उनके गले में नेक ब्रेस लगाया और स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। इसके बाद एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल भेजा गया।

'भूत बंगला' की फ्रेंचाइजी बनाना चाहती हैं एकता कपूर

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली–जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से धीमी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जी हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फुल–फ्लेज्ड फ्रेंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, 'भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे प्यार और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने की पूरी संभावना है।' हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हॉरर–कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं।

'भूत बंगला' के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर–कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय–प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरुआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरुआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपए की कमाई ही कर पाई है।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला पर लंबे समय से बायोपिक बनने को लेकर चर्चा चल रही है। अब खबर आ रही है कि इस प्रोजेक्ट में 'धुरंधर' फेम सारा अर्जुन मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में पहले कई बार देरी हुई है, मगर अब फिल्म के आगे बढ़ने की संभावना है। खबर यह भी है कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय, यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी।

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अपकमिंग फिल्म का प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होने वाला है। यह फिल्म पहले कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से टल गई थी। अब संजय लीला भंसाली एक प्रोड्यूसर के तौर पर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ेगा।

सारा ने लुक में किए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा अर्जुन ने इस फिल्म के लिए

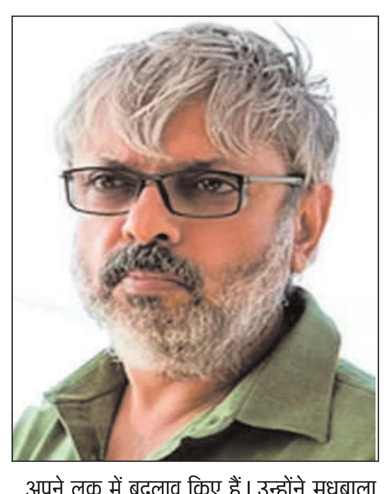

अपने लुक में बदलाव किए हैं। उन्होंने मधुबाला के रोल के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, दिलीप कुमार और किशोर कुमार जैसे दूसरे किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है।

इन कलाकारों के नाम पर हो चुकी चर्चा

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले कियारा आडवाणी को लीड रोल के लिए जा रहा था। सारा से पहले जिन दूसरी एक्ट्रेस को यह रोल ऑफर किया गया था, उनमें कल्याणी प्रियदर्शन, शरवरी और अनीत पड्डा भी शामिल थीं। हालांकि, एक्ट्रेस या मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कई पहलुओं के दिखाएगी फिल्म

यह अनटाइटल्ड फिल्म इंडस्ट्री में मधुबाला के शानदार करियर के साथ–साथ उनकी पर्सनल लाइफ और मुश्किलों को भी दिखाने की कोशिश करेगी। दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते से लेकर म्यूजिशियन किशोर कुमार के साथ उनकी शादी तक, यह फिल्म मधुबाला की जिंदगी के सभी उतार–चढ़ाव को दिखाएगी।

ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का पल है 'आसमानी' का प्रीमियर

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म 'आसमानी' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।' इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ–साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, 'गुड लक और फ्लाई।' 'आसमानी' सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह–निर्माता

के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले।

'भूत बंगला' की फ्रेंचाइज़ी बनाना चाहती हैं एकता कपूर

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से धीमी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जी हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फुल-फ्लेज्ड फ्रैंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, 'भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे प्यार और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने की पूरी संभावना है।' हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं।

'भूत बंगला' के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरुआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरुआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपए की कमाई ही कर पाई है।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला पर लंबे समय से बायोपिक बनने को लेकर चर्चा चल रही है। अब खबर आ रही है कि इस प्रोजेक्ट में 'धुरंधर' फेम सारा अर्जुन मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में पहले कई बार देरी हुई है, मगर अब फिल्म के आगे बढ़ने की संभावना है। खबर यह भी है कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय, यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी।

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अपकमिंग फिल्म का प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होने वाला है। यह फिल्म पहले कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से टल गई थी। अब संजय लीला भंसाली एक प्रोड्यूसर के तौर पर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ेगा।

सारा ने लुक में किए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा

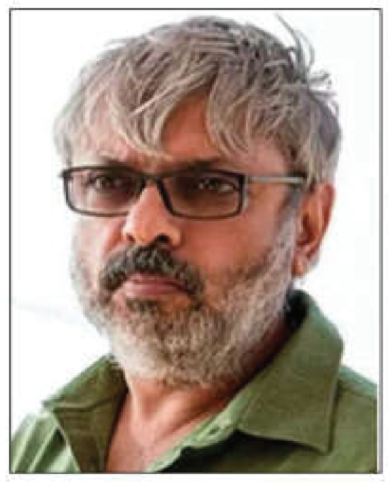

अर्जुन ने इस फिल्म के लिए अपने लुक में बदलाव किए हैं। उन्होंने मधुबाला के रोल के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, दिलीप कुमार और किशोर कुमार जैसे दूसरे किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है।

इन कलाकारों के नाम पर हो चुकी चर्चा

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले कियारा आडवाणी को लीड रोल के लिए जा रहा था। सारा से पहले जिन दूसरी एक्ट्रेस को यह रोल ऑफर किया गया था, उनमें कल्याणी प्रियदर्शन, शरवरी और अनीत पड्डा भी शामिल थीं। हालांकि, एक्ट्रेस या मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कई पहलुओं के दिखाएगी फिल्म

यह अनटाइटल्ड फिल्म इंडस्ट्री में मधुबाला के शानदार करियर के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ और मुश्किलों को भी दिखाने की कोशिश करेगी। दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते से लेकर म्यूजिशियन किशोर कुमार के साथ उनकी शादी तक, यह फिल्म मधुबाला की जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव को दिखाएगी।

ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का पल है 'आसमानी' का प्रीमियर

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म 'आसमानी' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।' इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, 'गुड लक और फ्लाई।' 'आसमानी' सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

अशनीर ग्रोवर की बायोपिक का हिस्सा नहीं हैं इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान जल्द ही फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करने वाले हैं। लेकिन इस बीच ऐसी खबरें सामने आई थीं कि इमरान बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में भी नजर आ सकते हैं। बीते दिनों इस बायोपिक से आमिर खान के भी छुड़ने की खबरें सामने आई थीं। अब इमरान खान ने इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और खबरों के पीछे की सच्चाई से रूबरू करवाया है।

इमरान ने अफवाहों को किया खारिज

इमरान खान ने अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में काम करने की खबरों को सिरे से खारिज किया। अभिनेता ने कहा कि मैंने इस परियोजना के बारे में सुना तक नहीं है। यह सच नहीं है। इस प्रतिक्रिया के साथ ही इमरान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वो इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। वहीं इमरान की प्रतिक्रिया के बाद अब प्रोजेक्ट के अस्तित्व को लेकर भी संदेह पैदा हो रहा है।

आमिर के फिल्म से जुड़ने की थीं खबरें

बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर की बायोपिक बन रही है। इस बायोपिक से आमिर खान के जुड़ने की भी खबरें सामने आई थीं। खबरों में ऐसा दावा किया गया था कि आमिर फिल्म में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। यानि वो अशनीर ग्रोवर की भूमिका में ही नजर आ सकते हैं। साथ ही ये बताया गया था कि फिल्म को राहुल मोदी निर्देशित कर सकते हैं। उनके द्वारा ही फिल्म की कहानी भी लिखी जाने की खबरें सामने आई थीं। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। लेकिन अब इमरान खान ने इस प्रोजेक्ट को लेकर साफ तौर पर इनकार कर दिया है। भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर, शार्क टैंक इंडिया में निवेशक के रूप में आने के बाद बेहद लोकप्रिय हो गए।

इस फिल्म से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे इमरान

वहीं इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो लंबे समय बाद 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर के प्रमुख भूमिका में नजर आने की संभावना है। इमरान खान आखिरी बार इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। फिल्म में उनकी भूमिका छोटी थी।

प्रोड्यूसर बनना आसान नहीं

अभिनेता राजकुमार राव हाल ही में फिल्म 'टोस्टर' में नजर आए हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ राजकुमार राव ने बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी शुरुआत की है। इस फिल्म को उन्होंने अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है, जो एक मिडिल क्लास कहानी को कॉमेडी, मिस्ट्री और थ्रिल के साथ दिखाती है। अब अमर उजाला से खास बातचीत में राजकुमार राव ने प्रोड्यूसर बनने के अनुभव, दोस्ती, शादी की यादों और फिल्म की खासियतों पर खुलकर अपनी बात रखी।

प्रोड्यूसर बनने का अनुभव कैसा रहा और आपने क्या नया सीखा?

मुझे लगता है कि यह मुझे मजबूत बनाने वाला अनुभव है। क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा काम है, बहुत मेहनत है। प्रोड्यूसर होना आसान नहीं है। मैं यही सोचता रहा कि पत्रलेखा ने यह सब कैसे मैनेज किया, उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता था कि प्रोड्यूसर का काम बहुत आसान होता होगा। एक बार आपने टीम सेट कर दी, उसके बाद सब हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है। चौबीसों घंटे हर दिन आपको बहुत सारे फैसले लेने होते हैं। छोटे भी और बड़े भी। लगातार बातें करनी होती हैं, मीटिंग करनी होती है, बहुत सारा पेपरवर्क होता है। हर चीज के लिए हजारों लोगों से संपर्क रखना पड़ता है, तो काम बहुत ज्यादा होता है। चूंकि, हम दोनों अभिनेता हैं, इसलिए हमें क्रिएटिव चीजों पर भी ध्यान देना पड़ता है। एडिट कैसा जा रहा है, डीआई कैसा जा रहा है, साउंड कैसा सुनाई दे रहा है? हर चीज देखनी पड़ती है

पर्दे पर कंजूस किरदार और असल जिंदगी में प्रोड्यूसर, कहीं पैसों का खास ख्याल रखने की प्रैक्टिस तो नहीं चल रही?

यह बिल्कुल एक संयोग है। इसका असल जिंदगी से कोई लेना देना नहीं है। (हंसते हुए) हम लोग असल जिंदगी में बिल्कुल अलग हैं, कंजूस तो बिल्कुल नहीं है। बल्कि हम तो ऐसे प्रोड्यूसर हैं जो चाहते हैं कि सेट पर लोगों को बहुत अच्छा खाना मिले, सबको समय पर खाना दिया जाए। हम खुद इतने साल से अभिनेता हैं, इसलिए हमें ठीक से पता है कि सेट पर किन चीजों से लोगों को दिक्कत होती है, क्या परेशानियां होती हैं। अगर लोग शिकायत करते हैं तो हम चाहते हैं कि ऐसा न हो। अगर कोई बात हम तक पहुंचे तो हम उसे तुरंत ठीक करें, क्योंकि हमें खुद पता है कि क्या सही है और क्या गलत।

बतौर प्रोड्यूसर आपने अपनी पहली फिल्म के लिए डार्क कॉमेडी ही क्यों चुनी?

ऐसा कुछ नहीं था। यह पहली चीज थी जो हमारे पास आई थी। इससे पहले भी हमने कुछ और चीजें पढ़ी थीं, लेकिन यह हमें क्लिक हुई। इसे पढ़कर बहुत मजा आया। इसके किरदार और कहानी बहुत दिलचस्प हैं। हम हमेशा से यही चाहते थे कि यह फिल्म स्ट्रीमिंग के लिए बने। हमें लगा कि इस ओटीटी प्लेटफार्म पर वहां कॉमेडी कम है, तो यह वैसी फिल्म हो सकती है जिसे ऑडियंस खूब पसंद करें। इसमें एक मिडिल क्लास सोसायटी की कहानी है, जिसे बहुत ही मजेदार तरीके से दिखाया गया है। कहानी बहुत रियल है, जो इंडियन फॅमिली से जुड़ी हुई है। सब कुछ बहुत फन तरीके से दिखाया गया है। यह एक अलग तरह की फिल्म है, जिसमें मिस्ट्री भी है, थ्रिल भी है और कॉमेडी भी है।

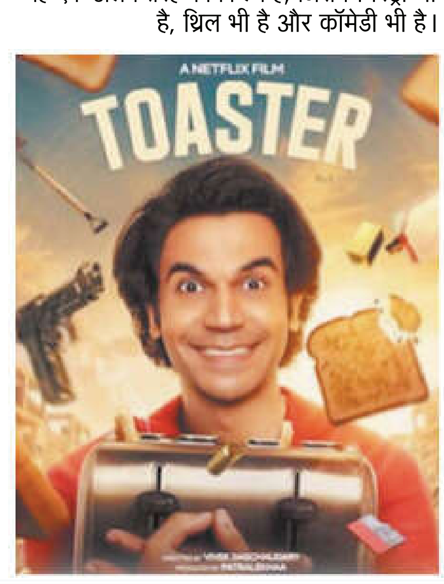

उत्तराखंड में तेंदुओं का आतंक, खेत में काम कर रही महिला पर हमला गई जान

-घटना से गुस्साए लोगों ने मजिस्ट्रेट और डीएफओ का घेराव कर किया हंगामा

पौड़ी(एजेंसी)। उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को नैनीताल के ज्योली गांव में महिला की मौत के दूसरे दिन पौड़ी में दो गुलदारों (तेंदुओं) ने हमला कर बुजुर्ग महिला को मौत के घाट उतार दिया।हमला सुबह करीब साढ़े 8 बजे उस समय हुआ जब वह खेत में घास काट रही थीं। घटना से गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंचे संयुक्त मजिस्ट्रेट और प्रभारी डीएफओ गढ़वाल का घेराव कर हंगामा कर दिया। बाद में वन विभाग ने गुलदार को आदमखोर घोषित करने के साथ ही मौके पर 20 सदस्यीय वन कर्मियों की टीम और मशहूर शिकारी को तैनात कर दिया है।प्रदेश में वन्यजीवों के हमले में इस साल अब तक यह 23वीं मौत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना ग्राम पंचायत बुढ़ाकोट स्थित बमठी गांव की है। 70 साल सीता देवी खंडूड़ी पर पहले गुलदार ने हमला किया।दराती से वार कर जैसे ही उन्होंने बचने का प्रयास किया, अचानक दूसरा गुलदार भी झपट पड़ा। शोर सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे, लेकिन तब तक गुलदार सीता देवी को झाड़ियों के अंदर ले गया।ग्रामीणों के काफी शोर मचाने पर दोनों गुलदार जंगल में भाग गए। ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

भीषण गर्मी के कारण 18 दिन में इस राज्य के लोग गटक गए अरबों रुपये की बीयर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है।इससे यहां पेय पदार्थों की बिक्री में इजाफा हुआ है। लेकिन, गर्मी भगाने को कर्नाटक के लोग जिस रफ्तार से बीयर पी रहे हैं, उस रफ्तार ने सभी को चौंका दिया है।इस रफ्तार की वजह से राज्य में बीयर की बिक्री के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं। महज 18 दिनों के भीतर ही लोग अरबों रुपये की बीयर पी गए हैं। कर्नाटक में इस साल बीयर की मांग में 30 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जैसे-जैसे गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, बीयर की दुकानों पर कतारें लंबी हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि यह क्रेज सिर्फ बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, राज्य के ग्रामीण इलाकों में भी बीयर की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। पिछले साल की तुलना में इस साल बीयर की बिक्री हैरान करने वाली है। इस साल अप्रैल के पहले 18 दिनों (1-18 अप्रैल) में 568.59 करोड़ की बीयर बिकी।जबकि पिछले साल इसी अवधि में 463.42 करोड़ की बियर बिकी। बीयर की बोतलों की गिनती के मुताबिक इस साल महज 18 दिनों में 28.35 लाख केस बीयर बेची जा चुकी है।पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 21.77 लाख केस था।यानी इस साल लोगों ने पिछले साल के मुकाबले 6.58 लाख केस ज्यादा खाली कर दिए हैं।कर्नाटक सरकार और आबकारी विभाग की झोली में इस साल 105.17 करोड़ ज्यादा आए है।

महिला विरोधी बयान पर घिरे पप्पू यादव ने मांगी माफी

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं के मुद्दे पर दिए गए अपने हालिया विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा था, 90 प्रतिशत महिलाएं किसी नेता के कमरे में जाए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। पूर्णिया सांसद के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कांग्रेस समर्थित निर्दलीय सांसद के बयान की एनडीए नेताओं और बिहार राज्य महिला आयोग ने निंदा की है। इसके बाद बिहार राज्य के कई हिस्सों में सांसद यादव से माफी मांगने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन और रैलियां भी आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि अगर मेरे बयान से राजनीति में शामिल महिलाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं उनसे माफी मांगता हूं। लेकिन यह माफी बहनों और बेटियों से है, न कि राजनेताओं से मांगी है। सांसद यादव ने कहा कि उनकी लड़ाई इसतरह के 'गंदे राजनेताओं' के खिलाफ है जिनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के दृश्य प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में शामिल महिलाओं पर गिद्धों की नजर नहीं पड़ने दूंगा। यादव ने विवाद के दौरान एनडीए नेताओं द्वारा उनकी पत्नी और बेटी का जिक्र करने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी की मां या बेटी को गाली नहीं दी, फिर भी मेरी पत्नी और बेटी के बारे में उन लोगों ने टिप्पणियां कीं जिन्हें मैं अपनी बेटियों की तरह मानता हूं और जिनके पिता साथी सांसद हैं।

ईरानी सेना के कब्जे में भारतीय जहाज, श्रीगंगानगर के युवक का 20 दिन से पता नहीं

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर की पॉश कॉलोनी में इन दिनों सन्नाटा पसरा हुआ है। दरअसल, कॉलोनी निवासी मर्चेंट नेवी के सेकंड ऑफिसर संजय माहर (38) उस कंटेनर शिप पर सवार हैं, जिसे लेकर सूचना मिल रही है कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज स्ट्रेट में रोककर अपने कब्जे में ले लिया है। संजय के भाई सुभाष माहर ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज, जिसका नाम 'एपामिनोडेस' है, दुबई से रवाना होकर मुंद्रा पोर्ट की ओर आ रहा था। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने के कारण जहाज को रोकना पड़ा। तभी ईरानी सेना ने जहाज की घेराबंदी कर ली। परिजनों के अनुसार, करीब 30 घंटे पहले जब जहाज ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, तब ईरान की ओर से फायरिंग की गई। गोलियों की आवाज सुनते ही संजय सहित सभी क्रू मेंबर्स जहाज के भीतर सुरक्षित केबिनों में छिप गए। संजय ने संपर्क टूटने से पहले एक वीडियो भी भेजा था, जिसमें जहाज के अंदर का तनावपूर्ण माहौल साफ दिख रहा है। जहाज पर कुल 21 क्रू मेंबर सवार हैं, जिसमें भारत के अलावा फिलीपींस, यूक्रेन और श्रीलंका के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे संजय का अपने परिवार से संपर्क पूरी तरह कट गया है। संजय शादीशुदा हैं और उनके छोटे बच्चे हैं, जो अपने पिता की सलामती की दुआ कर रहे हैं। इस संकट पर स्थानीय विधायक जयदीप बिहाणी ने मामले की गंभीरता को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। विधायक ने भारत सरकार से अपील की है कि ईरान सरकार के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित कर सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है

–होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दत्तात्रेय होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि भारत अब एक टेक हब बन चुका है। इसका परिणाम है कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। एक कार्यक्रम में होसबोले ने कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों में भारत की एक पुरानी छवि बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धारणा पूरी तरह गलत है। आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है। होसबोले ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और राष्ट्र को एकजुट बनाए रखना है। संगठन की एक्टिविटी जमीनी स्तर पर समाज को मजबूत करने और लोगों को जोड़ने का काम कर रही हैं।

होसबोले ने कहा कि आरएसएस अमेरिका के श?वेत वर्चस्ववादी संगठन 'कु क्लक्स क्लान' का भारतीय संस्करण नहीं है। आरएसएस एक स्वैच्छिक जन आंदोलन है, जो भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित है। इसका मुख्य उद्देश्य अच्छा चरित्र, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी वाले स्वयंसेवक तैयार करना है। उन्होंने बताया कि आरएसएस देशभर में रोजाना और साप्ताहिक शाखाओं का आयोजन करता है। इन शाखाओं के जरिए स्वयंसेवकों में राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और सेवा भावना विकसित की जाती है।

होसबोले ने कहा कि शाखाओं का उद्देश्य केवल वैचारिक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि 'मानव सामाजिक पूंजी' का निर्माण करना है। आरएसएस सरकार्यवाह ने यह भी कहा कि संगठन हिंदू पहचान और भारतीय संस्कृति को मजबूत करने के साथ ही पूरे समाज के विकास पर काम करता है। उन्होंने अल्पसंख्यकों और हिंदू पहचान को लेकर पश्चिमी दुनिया में फैली भ्रांतियों को भी दूर करने की कोशिश की। यह कार्यक्रम वाल्टर रसेल मीड के साथ एक सत्र में हुआ, जिसमें होसबोले ने आरएसएस के जमीनी कार्यों और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि आरएसएस के स्वयंसेवक आपदा के दौरान राहत और बचाव के कामों में आगे रहते हैं। बाढ़, भूकंप या अन्य संकट के समय संगठन के कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के लोगों की मदद करते हैं। इसके अलावा स्वयंसेवकों ने देशभर में करीब 40 सिविल इंस्टीट्यूशन बनाए हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक डेवलपमेंट के लिए बेहतर काम कर रहे हैं।

आर्थिक संकट से जूझ रहे मालदीव के लिए भारत ने की मदद, 30 अरब की पहली किश्त जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संकट की घड़ी में भारत ने एक बार फिर पड़ोसी प्रथम की नीति को दोहराते हुए मालदीव को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की है। गंभीर आर्थिक तंगी और विदेशी मुद्रा भंडार की कमी का सामना कर रहे मालदीव को राहत देने के लिए भारत सरकार ने 30 अरब रुपये की पहली किश्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। यह महत्वपूर्ण वित्तीय मदद भारतीय रिजर्व बैंक और मालदीव सरकार के बीच हुए सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क के तहत दी जा रही है। माले स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस कदम की पुष्टि करते हुए कहा है कि यह सहायता मालदीव की वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने और वहां की अर्थव्यवस्था को तत्काल सहारा देने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस सहायता की पृष्ठभूमि अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान तैयार हुई थी। उसी दौरे पर दोनों देशों के बीच करेंसी स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। मालदीव पहले भी इसी फ्रेमवर्क के तहत लगभग 400 मिलियन डॉलर की राशि का उपयोग अपनी जरूरतों के लिए कर चुका है। वर्तमान में मालदीव की अर्थव्यवस्था कई मोर्चों पर चुनौतियों से घिरी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार के तेजी से घटने और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कर्ज के बोझ के कारण देश के सामने भुगतान संतुलन का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में भारत द्वारा दी गई यह किश्त न केवल तात्कालिक राहत प्रदान करेगी, बल्कि मुइज्जु सरकार को अपनी भविष्य की आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित करने का समय भी देगी। भारत लंबे समय से मालदीव के लिए एक भरोसेमंद और फर्स्ट रिस्पॉन्डर साझेदार रहा है। साल 2012 में सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क की शुरुआत के बाद से भारत अब तक मालदीव को 1.1 अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय सहायता मुहैया करा चुका है। इससे पहले भारत ने मालदीव के अनुरोध पर 100 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिल्स को भी रोलओवर किया था, जिससे वहां की सरकार पर से तत्काल वित्तीय दबाव कम हुआ था।

बंपर वोटिंग पर केजरीवाल का तंज, मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राजनीतिक प्रतिक्रिया पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड मतदान के बाद मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ जा रही है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा कि बंगाल में यह बात सामने आ रही है कि लोग एसआईआर के खिलाफ मजबूती से वोट डाल रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा यह घोषणा करने के कुछ ही समय बाद आई कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ है, क्योंकि मतदान शाम 6 बजे समाप्त हुआ। मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा है। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में प्रथम चरण में तमिलनाडु के 84.80 प्रतिशत की तुलना में 91.91 प्रतिशत का उल्लेखनीय रूप से उच्च मतदान दर्ज किया गया। उच्च मतदान सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दिखाता है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जिसमें दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक 94.85 प्रतिशत, उसके बाद कूच बिहार में 94.54 प्रतिशत, बीरभूम में 93.70 प्रतिशत, जलपाईगुड़ी में 93.23 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद में 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

ताजी हवा का आनंद लेने नहीं... शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने दिल्ली आया : शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने अपने हालिया नई दिल्ली दौरे को लेकर स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल ÷ताजी हवा का आनंद लेना÷ नहीं, बल्कि शीर्ष कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करना था। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर चल रहे असंतोष के बीच उनकी यात्रा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह बताने से इंकार किया कि उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस के किन-किन नेताओं से मुलाकात की। डिप्टी सीएम डीके ने कहा कि वह पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और विभिन्न राज्यों में चुनाव प्रचार के बाद वहां के हालात की जानकारी पार्टी नेतृत्व को देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव प्रचार किया था और अब उन अनुभवों को शीर्ष नेताओं से साझा करना जरूरी है। साथ ही, कर्नाटक में चुनाव प्रबंधन उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है, जिसे वे पूरी गंभीरता से निभाएंगे। कर्नाटक राज्य में संभावित राजनीतिक बदलावों और मंत्रिमंडल फेरबदल से जुड़े सवालों पर उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए इस तरह के मुद्दों पर सार्वजनिक चर्चा करना उचित नहीं है। मुस्लिम समुदाय में कथित असंतोष और उससे जुड़ी बैठकों पर उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर कुछ जानकारी मिली है और सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के करीबी मंत्रियों की बैठकों की खबरों से उन्होंने अनभिज्ञता जताकर कहा कि उन्हें नहीं पता कि कौन किसके करीब है। वहीं, दिल्ली की संभावित आगे की यात्राओं पर उन्होंने ÷इंतजार और देखिए÷ का रुख अपनाया। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से बेंगलुरु से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की योजना की बनाई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें मुलाकात के लिए समय दिया है। मुस्लिम नेताओं के निलंबन के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को निलंबित नहीं किया गया, बल्कि संबंधित नेताओं ने स्वयं इस्तीफा दिया है।

यूपी में अगले तीन दिन और भीषण पड़ेगी गर्मी, 32 जिलों को मौसम विभाग ने घोषित किया रेड अलर्ट

लखनऊ।उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है।सूबे में तापमान लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।राजधानी लखनऊ से लेकर बुंदेलखंड और पूर्वांचल तक आसमान से आग बरस रही है।स्थिति यह है कि दिन के साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही।दिन के समय तो सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है।मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में हालात और गंभीर होने की चेतावनी दी है, हालांकि 26 अप्रैल के बाद कुछ राहत के संकेत भी दिए गए हैं।राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया।अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक है।वहीं न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे रात में भी गर्मी का असर बना रहा।उधर, पूरे उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप चरम पर है।

चुनाव आयोग पर भड़का हाईकोर्ट कहा- पश्चिम बंगाल में आप सत्ता का दुरुपयोग कर रहे

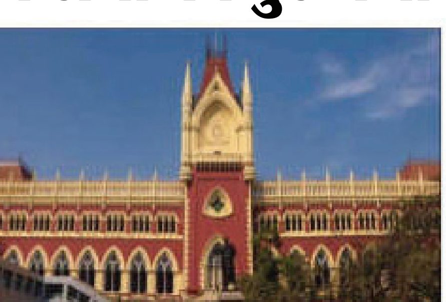

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता को लेकर राजनैतिक दलों में भारी घमासान मचा हुआ है। इसी घमासान के बीच गुरुवार को पहले चरण का मतदान रिकॉर्ड वोटिंग के साथ संपन्न हुआ। तभी चुनाव आयोग की चिंता बढ़ाने वाली कलकत्ता हाईकोर्ट की एक टिप्पणी आ गई। हाईकोर्ट ने वोटिंग के दिन मोटरसाइकिलों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। जस्टिस कृष्णा राव ने आयोग से कहा, आप अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह से नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। ये हाईकोर्ट की काफी गंभीर टिप्पणी मानी जा रही है।

जस्टिस राव ने आयोग से आगे कहा, आम नागरिकों के अधिकारों को इस तरह से कम नहीं किया जा सकता है। अगर यही तर्क है तो आपको कारों पर भी रोक लगा देनी चाहिए। आखिर लोग कारों का इस्तेमाल बम और बंदूकें ले जाने और दंगा भड़काने के लिए भी तो कर सकते हैं! उन्होंने आगे कहा, कोर्ट को दिखाएं कि पिछले पांच सालों में ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं जिनमें मोटरसाइकिल पर सवार गुटों ने हिंसा भड़काई हो? यह एक बहुत बड़ा कदम है। असल में चुनाव से दो दिन पहले ही सब कुछ ठप कर देता है। मैं फिर दोहराता हूं कि यह सब सिर्फ अधिकारियों की नाकामियों को छिपाने के लिए किया जा रहा है। जज की इन टिप्पणियों के बाद चुनाव आयोग कोर्ट में एक हलफनामा पेश करेगा। इस हलफनामे में आयोग चुनाव से दो दिन पहले ये पाबंदियां लगाने के पीछे का कारण बताएगा। आयोग कोर्ट को उन पिछली घटनाओं के बारे में भी बता सकता है जिनमें मोटरसाइकिलों का गलत इस्तेमाल हुआ था।

चुनाव आयोग ने यह भी साफ किया कि ये पाबंदियां इमरजेंसी मेडिकल जरूरतें, परिवार से जुड़े मामले या बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के मामलों में लागू नहीं होंगी। जो लोग सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहे हैं तो उन्हें भी छूट दी गई है। ये नियम रेपिडो जैसी ऐप-आधारित सेवाओं पर लागू नहीं होंगे। इसके पहले आयोग ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें कहा गया कि चुनाव से दो दिन पहले से कोई भी मोटरसाइकिल रैली निकालने की इजाजत नहीं होगी। नोटिफिकेशन में साफ किया गया कि चुनाव से पहले के दो दिनों में सुबह 6~00 बजे से शाम 6~00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है; लेकिन इस दौरान पीछे किसी सवारी को बिठाना पूरी तरह से मना होगा। चुनाव वाले दिन भी सुबह 6~00 बजे से शाम 6~00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है, लेकिन यह छूट तभी मिलेगी जब चालक वोट डालने या किसी इमरजेंसी काम से जा रहा हो।

जयपुर विधानसभा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर कराया खाली

-शहर में आईपीएल मैच को लेकर चल रही थी मार्कड्रिल, सुरक्षा एजेंसियों में हलचल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब विधानसभा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ऐसे समय पर मिली है जब शहर में आईपीएल मैच को लेकर पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। जानकारी के मुताबिक विधानसभा सचिवालय को संदिग्ध मैसेज के जरिए बम धमाके की सूचना मिली थी, जैसे ही यह सूचना अधिकारियों तक पहुंची, तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। सचिवालय परिसर में मौजूद कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाला गया और पूरे इलाके को खाली करा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूचना मिलते ही एटीएस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे विधानसभा परिसर को अपने घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। हर आने-जाने वाले और संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की गई। बताया जा रहा है कि उसी समय सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल मैच से पहले सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल चल रही थी। इसी दौरान अचानक बम की सूचना मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हलचल बढ़ गई और मॉक ड्रिल को बीच में ही रोककर वास्तविक अलर्ट मोड में काम शुरू कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी को गंभीरता से लेते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर उन स्थानों पर जहां आईपीएल मैच को लेकर भीड़ जुटने की संभावना है। फिलहाल विधानसभा परिसर में तलाशी अभियान जारी है और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद होने की सूचना नहीं है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि धमकी भरा संदेश कहां से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है।

अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए पूरी सतर्कता के साथ जांच की जा रही है, साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस घटना के बाद जयपुर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

केरल में गर्मी के चलते सीएम ने किया सेल्फ-लॉकडाउन का ऐलान

–सुबह 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें, भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कई इलामों में लू की चेतावनी के मद्देनजर सीएम पिनाराई विजयन ने सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सेल्फ-लॉकडाउन यानी खुद के द्वारा लगाया गया लॉकडाउन का आह्वान किया है। आईएमडी ने आधिकारिक तौर पर पालक्काड, कोल्लम और त्रिशूर जिलों में लू की चेतावनी जारी की है, क्योंकि राज्य में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। वातावरण में उच्च आर्द्रता के कारण अन्य जिलों में भी गर्मी का प्रकोप बहुत ज्यादा है। ऐसी स्थिति में हम सभी को अत्यंत सतर्क रहने की जरुरी है। बढ़ती गर्मी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकती है। इसलिए, सभी को निम्नलिखित सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। इस समय के दौरान सीधे धूप के संपर्क में आने से बचें। इसे कोविड काल की तरह ही सेल्फ-लॉकडाउन का समय मानें और अनावश्यक यात्रा और बाहरी कामों से बचें। घर के अंदर और कार्यस्थल पर हवा के उचित वेंटिलेशन को सुनिश्चित करें। प्यास न लगने पर भी भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं। ऐसे पेय पदार्थों से बचें जिनसे शरीर में पानी की कमी होती हो। पौष्टिक भोजन करना सुनिश्चित करें।

गर्मी के बचने के लिए हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय छाता, जूते-चप्पल और धूप का चश्मा जरुर पहनें। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग और एल्बिनिज्म से पीड़ित लोगों को इस समय बाहर निकलने से बचना चाहिए। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच खुले स्थानों पर सार्वजनिक सभाओं और खेल आयोजनों की अनुमति नहीं है। त्योहारों में दिन के समय होने वाली परेड, हाथियों की परेड और आतिशबाजी से बचना चाहिए या उनका समय बदलना चाहिए। आग लगने की आशंका के प्रति विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए।

पालतू जानवरों और आवारा पशुओं के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्हें दिन के समय चरने के लिए बाहर न जाने दें। चूंकि अत्यधिक गर्मी में जानवर बेचैन हो सकते हैं, इसलिए जंगली जानवरों और आवारा कुत्तों के हमले की आशंका के प्रति भी सावधानी बरती जानी चाहिए। श्रम विभाग ने दिन के समय बाहरी कामों से बचने के लिए काम के घंटों को पुनर्व्यवस्थित किया है। इसका कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। दिन के समय होने वाले रोजगार सुरक्षा संबंधी कार्यों को पूरी तरह से रोक दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने और उनकी वर्दी में ढील देने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू से निपटने के लिए अस्पतालों और एम्बुलेंस में, जिनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। स्थानीय निकायों, कुटुम्बश्री, स्वयंसेवी संगठनों और व्यापारियों को यात्रियों और आम जनता के लिए पीने का पानी और छाया उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। यदि आपको थकान महसूस हो या लू के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें। यदि आप किसी अन्य व्यक्ति को परेशानी में देखें, तो उसे तुरंत छाया में ले जाएं, उसके शरीर को ठंडा करने का प्रयास करें और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराएं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com